



श्री काशी विश्वनाथ पञ्चाङ्ग २०२४

**Shree Kashi Vishwanath Panchang 2024**

विक्रम संवत् २०८०-२०८१ "पिंगल" नाम संवत्सर

शक संवत् १९४६

Vikaram Samvat 2080-2081

Shak Samvat 1946



**विश्व शक्ति दुर्गा मन्दिर**

**VISHVA SHAKTI DURGA MANDIR ASSOCIATION**

**55 CLAREY AVE., OTTAWA ON K1S 2R6 CANADA (Ph. 613-321-0675)**

**पंडित रविन्द्र नारायण पाण्डेय**

**Pundit Ravindra Narayan Pandey**

**Ph. 613-228-1305 Cell. 613-216-7575**

ॐ भू भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं । भर्गो देवस्य धीमहि, धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

सत् चित् आनन्दस्वरूप सृष्टिकर्ता प्रकाशमान परमात्मा के उस प्रसिद्ध वरणीय तेज का (हम) ध्यान करते हैं, जो परमात्मा हमारी बुद्धि को (सत् की ओर) प्रेरित करे।

## ॥ पूजा निम्न विधि से करें ॥

- ॐ अमुक देवम् / देवीम् आह्वयामि । Om Amuk Devam / Devim  
Avahayami ( offer a flower or rice akshat)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् स्थापयामि । Om Amuk Devam / Devim  
sthapayami (offer a flower or rice akshat)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् पाद्यं समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim  
Padyam samarpayami ( offer a spoonful of water at the feet of God / Goddess)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् अर्घ्यं समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim  
Arghyam samarpayami (offer a spoonful of water)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् आचमनीयम् समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim  
Achamaniyam samarpayami (offer a spoonful of water)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् पञ्चामृतम् समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim  
Panchamrutam samarpayami (offer a spoonful of panchamrutam )
- ॐ अमुक देवीम् / देवम् स्नानीयम् जलं समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim  
Snaniyam Jalam samarpayami (offer a spoonful of water)
- ॐ अमुक देवम् / अमुक देवम् वस्त्रोपवस्त्रम् समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim  
Vastropavastram samarpayami (offer a dress or muli)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् गन्धं समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim  
Gandham samarpayami ( offer a paste of Sandal or Roli )
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् अक्षतान् समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim  
Akshatan Samarpayami (offer kumkum and rice)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् पुष्पं समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim  
Pushpam Samarpayami ( offer flower / garland )
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् धूपं आघ्रापयामि । Om Amuk Devam / Devim  
Dhoopam aghrapayami ( light up the incense )
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् दीपं दर्शयामि । Om Amuk Devam / Devim  
Deepam darshayami (light up the ghee and oil lamp)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् नैवेद्यं निवेदयामि । Om Amuk Devam / Devim  
Naivedyam Nivedayami (offer sweet and prasad)
- ॐ अमुक देवीम् / देवम् तामबूलफलानि च समर्पयामि ।  
Om Amuk Devam / Devim Tambulam phalani cha samarpayami  
(offer beetal nut, Paan leaf and fruit)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् नमस्कारान् समर्पयामि ।  
Om Amuk Devam / Devim Namaskaran samarpayami  
(offer namaskar with joined palms)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् प्रदक्षिणा करोमि । Om Amuk Devam / Devim Pradakshina karomi  
(while standing, move round clock-wise at the same spot thrice, with joined palms)
- ॐ अमुक देवम् / देवीम् प्रार्थना मन्त्रपुष्पाञ्जलिं समर्पयामि ।  
Om Amuk Devam / Devim Prarthana mantrapuspanjalim samarpayami  
(while standing take some flowers in both hands together and offer the flowers)
- त्वमे माता च पिता त्वमेव, त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव । त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव, त्वमेव सर्वं मम देव देव ॥  
Twameva Mata Cha Pita Twameva, Twameva Bandhush Cha Sakha Twameva |  
Twameva Vidya Dravinam Twameva, Twameva Sarvam Mam Deva Deva ॥

*Acharya Ravindra Narayan Pandey*

# FASTS & FESTIVALS 2024

प्रमुख पर्व और त्योहार सन् २०२४ ई०

**JANUARY 2024**

**DAY DATE**

**Paush-Maagh**

**Samvat 2080**

पौष मास – माघ मास

संवत् २०८०

**New Year's Day 2024**

**Mon. 01**

ईसवी सन् २०२४ प्रारम्भ

सोम. ०१

**Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)**

**Wed. 03**

कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजन)(पौष मास)

बुध. ०३

**Saphala Ekadashi**

**Sun. 07**

सफला एकादशी

रवि. ०७

**SomPradosh Vrat**

**Mon. 08**

सोमप्रदोष व्रत (पौष मास)

सोम. ०८

**MasShivaratri 13 Vrat (Paush)**

**Tue. 09**

मासशिवरात्रि व्रत (पौष मास)

मंग. ०९

**Amavasya (Paush)**

**Wed. 10**

अमावस्या (पौष कृष्ण पक्ष)(स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)

बुध. १०

**Swami Vivekanandan Jayanti**

**Fri. 12**

स्वामी विवेकानन्द जयन्ती

शुक्र. १२

**Lohri Parv**

**Sat. 13**

लोहड़ी पर्व

शनि. १३

**MakarSankranti(Paush)(Pongal)**

**Sun. 14**

मकरसंक्रान्ति(पौषमास)खिचड़ी-तिल दान (पोंगल पर्व)

रवि. १४

**Kharmas Ends**

**Sun. 14**

खरमास समाप्त	रवि.	१४
<b>Surya Uttarayan</b> (Day of gods night of demons)	<b>Sun.</b>	<b>14</b>
सूर्य उत्तरायण (देवताओं का दिन दैत्यों की रात्रि)	रवि.	१४
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat	Sun.	14
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	रवि.	१४
Shri Skand Shashthi (Kumar)	Tue.	16
श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)	मंग.	१६
MasikDurgaAshtami Vrat	Thu.	18
मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	गुरु.	१८
<b>Putrada Ekadashi Vrat</b>	<b>Sun.</b>	<b>21</b>
पुत्रदा एकादशी व्रत (पौष मास)	रवि.	२१
Kuram Dwadashi	Mon.	22
कूर्म द्वादशी	सोम.	२२
SomPradosh Vrat	Mon.	22
सोमप्रदोष व्रत	सोम.	२२
<b>Poornima Vrat (Satyanarayan)</b>	<b>Wed.</b>	<b>24</b>
पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण) (पौष मास)	बुध.	२४
Poornima Vrat (Till 12 :53pm)	Thu.	25
पूर्णिमा व्रत (सायंकाल १२:५३ तक)	गुरु.	२५
Pryag Maagh Snan(Bath)Begins	Thu.	25
प्रयाग माघ स्नान प्रारम्भ	गुरु.	२५
Shakambhari Jayanti	Thu.	25
शाकम्भरी जयन्ती	गुरु.	२५
Bharteeya Gantantra Divas	Fri.	26
भारतीय गणतंत्र दिवस (७५वां)	शुक्र.	२६

**Sankashti Ganesh ChaturthiVrat** Sun. 28  
संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत(श्रीगणेश जन्म)लम्बोदर गणेश रवि. २८

**FEBRUARY 2024**

**DAY DATE**

**Maagh- Phalgun**

**Samvat 2080**

माघ मास- फाल्गुन मास

संवत् २०८०

**Swami Dayanand Jayanti**

**Thu. 01**

स्वामी दयानन्द सरस्वती जयन्ती

गुरु. ०१

**Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)**

**Fri. 02**

कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजन)

शुक्र. ०२

**Shattila Ekadashi Vrat**

**Mon. 05**

षटतिला एकादशी व्रत(माघ कृष्ण एकादशी)

सोम. ०५

**BudhaPradosh Vrat**

**Wed. 07**

बुध प्रदोष व्रत

बुध. ०७

**MasShivaratri 13 Vrat (Maagh)**

**Wed. 07**

मासशिवरात्रि व्रत (माघ मास)

बुध. ०७

**Mauni Amavasya(Maagh)**

**Fri. 09**

मौनी अमावस्या(माघकृष्णपक्ष)(स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)

शुक्र. ०९

**Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat**

**Mon. 12**

वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत

सोम. १२

**Vasant Panchmi (Saraswati Pooja)**

**Tue. 13**

वसन्त पंचमी (सरस्वती पूजा)(माघ मास शुक्ल पक्ष)

मंग. १३

**Sankranti (Maagh)(Kumbh)**

**Tue. 13**

संक्रान्ति (माघ मास) (कुम्भ राशी)

मंग. १३

**Shri Skand Shashthi (Kumar)**

**Wed. 14**

श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)

बुध. १४

<b>Rath Saptami</b> रथ सप्तमी	<b>Thu.</b> 15 गुरु. १५
<b>Narmada Jayanti</b> नर्मदा जयन्ती	<b>Fri.</b> 16 शुक्र. १६
<b>MasikDurgaAshtami Vrat</b> मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	<b>Fri.</b> 16 शुक्र. १६
<b>Bheeshm Ashtami</b> भीष्म अष्टमी (भीष्म पितामह श्राद्ध, तर्पण)	<b>Fri.</b> 16 शुक्र. १६
<b>Vasant Ritu Begins</b> वसन्त ऋतु प्रारम्भ	<b>Sun.</b> 18 रवि. १८
<b>Jaya Ekadashi Vrat</b> जया एकादशी व्रत	<b>Mon.</b> 19 सोम. १९
<b>BudhaPradosh Vrat</b> बुध प्रदोष व्रत	<b>Wed.</b> 21 बुध. २१
<b>Maagh Snan (Bath) Ends</b> माघ स्नान समाप्त	<b>Fri.</b> 23 शुक्र. २३
<b>Guru Ravidas Jayanti</b> गुरु रविदास जयन्ती	<b>Fri.</b> 23 शुक्र. २३
<b>Poornima (Satyanarayan) Vrat</b> पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण) (माघी पूर्णिमा)	<b>Fri.</b> 23 शुक्र. २३
<b>Poornima Vrat</b> Till (07 :29am) पूर्णिमा व्रत (सुबह ०७ :२९ तक)	<b>Sat.</b> 24 शनि. २४
<b>Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat</b> संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (द्विजप्रिय गणेश चतुर्थी)	<b>Tue.</b> 27 मंग. २७

**MARCH 2024**

**DAY DATE**

**Phalgun-Chaitra**

**फाल्गुन मास -चैत्र मास**

**Samvat 2080-2080**

**संवत् २०८०-२०८०**

**Sitaashtami Vrat**

सीताअष्टमी व्रत (जानकी जयन्ती)

**Sun. 03**

रवि. ०३

**Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)**

कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजन)

**Sun. 03**

रवि. ०३

**Vijaya Ekadashi Vrat**

विजया एकादशी व्रत

**Wed. 06**

बुध. ०६

**Guru Pradosh Vrat**

गुरु प्रदोष व्रत (फाल्गुन मास)

**Thu. 07**

गुरु. ०७

**MasShivaratri 13 Vrat (Phalgun)**

मासशिवरात्रि व्रत (फाल्गुन मास)

**Fri. 08**

शुक्र. ०८

**MahaShivaratri Vrat**

महाशिवरात्रि व्रत

**Fri. 08**

शुक्र. ०८

**Amavasya (Phalgun)**

अमावस्या (फाल्गुन मास)(स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)

**Sat. 09**

शनि. ०९

**Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat**

वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत

**Wed. 13**

बुध. १३

**Shri Skand Shashthi (Kumar)**

श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)

**Thu. 14**

गुरु. १४

**Sankranti (Phalgun)(Meen)**

संक्रान्ति (फाल्गुन मास)(मीन राशी)

**Thu. 14**

गुरु. १४

**Holashtak Begins**

होलाष्टक प्रारम्भ

**Sun. 17**

रवि. १७

(The falt of Holashtak occurs in Vyas,Ravi and Tripushkar region)

And not anywhere else.)

(होलाष्टक का दोष व्यास, रावी, त्रिपुष्कर क्षेत्र में होता है अन्यत्र नहीं होता है)

Masik Durga Ashtami Vrat मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	Sun. 17 रवि. १७
<b>Aamlaki (Rangbhari) Ekadashi Vrat</b> आमलकी (रंगभरी) एकादशी व्रत	<b>Wed. 20</b> बुध. २०
Govind Dwadashi गोविन्द द्वादशी	Sat. 21 शनि. २१
Guru Pradosh Vrat गुरु प्रदोष व्रत (फाल्गुन मास)	Thu. 21 गुरु. २१
<b>Poornima Vrat (Holika Dahan)</b> वसन्त पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण) (होलिका दहन)	<b>Sun. 24</b> रवि. २४
<b>Penumbral Lunar Eclipse</b> Penumbral Lunar Eclipse will not visible in Umbra (Time- 11:55pm to 04:32am)	<b>Mon. 25</b>
<b>खण्ड चन्द्र ग्रहण</b> (इस चन्द्रग्रहण की परछाई नहीं दिखेगी अतः सूतक नहीं लगेगा)	<b>सोम. २५</b>
<b>Holi</b> होली	<b>Mon. 25</b> सोम. २५
<b>Holashtak Ends</b> होलाष्टक समाप्त	<b>Mon. 25</b> सोम. २५
Bhratri Dwitiya (Bhai Dooj) भर्तरी द्वितीया (भाई दूज)	Tue. 26 मंग. २६
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (भालचन्द्र गणेश)	Thu. 28 गुरु. २८
Rang Panchami रंग पञ्चमी	Sat. 30 शनि. ३०
Shri Sheetala Saptami Vrat	Sun. 31



श्री शीतला सप्तमी व्रत (बनारस महानिशा पूजा) रवि. ३१

**APRIL 2024**

**Day Date**

**Chaitra - Vaishakh**

**Samvat 2080-2081**

**चैत्र मास-वैशाख मास**

**संवत् २०८०-२०८१**

**Shri Sheetala Ashtami Vrat Mon. 01**

श्री शीतला अष्टमी व्रत (बसिअउरा) सोम. ०१

**Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja) Mon. 01**

कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा) सोम. ०१

**Vridhangkarak Parv Tue. 02**

वृद्धाङ्कारक पर्व (बुढ़वामंगल) बनारस होली समाप्त मंग. ०२

**Papmochani Ekadashi Vrat Thu. 04**

पापमोचनी एकादशी व्रत (चैत्र कृष्ण पक्ष) गुरु. ०४

**ShaniPradosh Vrat Sat. 06**

शनि प्रदोष व्रत (चैत्रमास) शनि. ०६

**Tryodashi Vrat (Varuni Parv) Sat. 06**

त्रयोदशी व्रत (वारुणी पर्व) शनि. ०६

**MasShivaratri 13 Vrat (Chaitra) Sun. 07**

मासशिवरात्रि व्रत (चैत्रमास) रवि. ०७

**Somavati Amavasya (PeepalPooja) Mon. 08**

सोमावती अमावस्या (पीपल वृक्ष विष्णु पूजन) सोम. ०८

**Partial Solar Eclipse in Ottawa Mon. 08**

खण्ड सूर्य ग्रहण(यह सूर्य ग्रहण आटवा में दिखेगा) सोम. ०८

**This Solar Eclipse will be visible in Ottawa**

**Eclips Start time 12:36pm to End time 03:10pm**

**Sutak Begins Apr 07 (22:36:44) End 15:09:05**

**Chandr Samvatsar 2080 Ends Mon. 08**

विक्रम (चन्द्र ) संवत्सर २०८० समाप्त सोम. ०८

**Vikram Samvatsar 2081 Begins Tue. 09**

विक्रम “पिंगल” नाम संवत्सर २०८१ नववर्ष प्रारम्भ मंग. ०९

**Vasant Navratri Begins Tue. 09**

वसन्त नवरात्रि प्रारम्भ (चैत्र शुक्ल पक्ष) मंग. ०९

The auspicious time for Ghat sthapana is from 6:27 to 10:52 in the morning.

घट स्थापना के लिए सुबह ६:२७ से १०:५२ तक शुभ मुहूर्त है।

**Shailputri Puja Tue. 09**

शैलपुत्री देवी पूजा, दर्शन मंग. ०९

**Sindhi New Year's Day Tue. 09**

सिन्धी नववर्ष दिवस (झूलेलाल जयन्ती ) मंग. ०९

**Gudi Padwa (Marathi New Year's Day) Tue. 09**

गुडी पडवा (महाराष्ट्र नव वर्ष दिवस) मंग. ०९

**Ugadi (Telugu New Year's Day) Tue. 09**

युगादी (तेलगु, तमिल नववर्ष दिवस) मंग. ०९

**Brahmcharini Puja Wed. 10**

ब्रह्मचारिणी देवी पूजा, दर्शन बुध. १०

**Matsya Jayanti Wed. 10**

मत्स्य जयन्ती बुध. १०

**Gauri Pooja, Gangaur Wed. 10**

गौरी पूजा, गणगौर बुध. १०

**Chandraghanta Puja Thu. 11**

चन्द्रघन्टा देवी पूजा, दर्शन गुरु. ११

**Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat Thu. 11**

वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत गुरु. ११

**Kushmanda Puja Fri. 12**

कूष्माण्डा देवी पूजा, दर्शन	शुक्र.	१२
Lakshmi Panchami (Lakshmi Ji welcome home)	Fri.	12
लक्ष्मी पञ्चमी (लक्ष्मी जी का घर में स्वागत)	शुक्र.	१२
<b>Skandamata Puja</b>	<b>Sat.</b>	<b>13</b>
स्कन्दमाता देवी पूजा, दर्शन	शनि.	१३
Shri Skand Shashthi (Kumar)	Sat.	13
श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)	शनि.	१३
<b>Katyani Puja</b>	<b>Sat.</b>	<b>13</b>
कात्यायनी देवी पूजा, दर्शन	शनि.	१३
Yamuna Jayanti	Sat.	13
यमुना जयन्ती	शनि.	१३
<b>Sankranti(Chaitra)(Fan,Water,SattuDaan)</b>	<b>Sat.</b>	<b>13</b>
संक्रान्ति (मेष)(चैत्रमास)(सत्तु-पंखा-जलकलश दान)	शनि.	१३
<b>Vaishakhi Parv</b>	<b>Sat.</b>	<b>13</b>
वैशाखी पर्व (वैशाखी मेला)	शनि.	१३
Bhanu Saptami	Sun.	14
भानु सप्तमी	रवि.	१४
Baba Balak Nath ji ka Chala	Sun.	14
बाबा बालक नाथ जी का चाला	रवि.	१४
<b>Kalratri Puja</b>	<b>Sun.</b>	<b>14</b>
कालरात्रि देवी पूजा, दर्शन	रवि.	१४
MasikDurgaAshtami Vrat	Mon.	15
मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	सोम.	१५
<b>Shri Durga Ashtami Vrat</b>	<b>Mon.</b>	<b>15</b>
श्री दुर्गा अष्टमी व्रत (कन्यापूजन)(सम्पूर्ण दिवस अष्टमी है)	सोम.	१५

<b>Mahagauri Puja</b> महागौरी देवी पूजा, दर्शन	<b>Mon. 15</b> सोम. १५
Tara Jayanti तारा जयन्ती	Tue. 16 मंग. १६
<b>Shri Ramnavami Vrat</b> श्री रामनवमी ( श्री राम जन्म )	<b>Tue. 16</b> मंग. १६
<b>Siddhidatri Puja</b> सिद्धदात्री देवी पूजा, दर्शन	<b>Tue. 16</b> मंग. १६
<b>Navratri Vrat Parna</b> नवरात्रि व्रत पारण	<b>Wed. 17</b> बुध. १७
<b>Vasant Ritu Ends</b> वसन्त ऋतु समाप्त	<b>Fri. 19</b> शुक्र. १९
<b>Grishma Ritu Begins</b> ग्रीष्म ऋतु प्रारम्भ	<b>Fri. 19</b> शुक्र. १९
<b>Kamda Ekadashi Vrat</b> कामदा एकादशी व्रत (चैत्र शुक्ल पक्ष)	<b>Fri. 19</b> शुक्र. १९
<b>ShaniPradosh Vrat</b> शनि प्रदोष व्रत (चैत्रमास)	<b>Sat. 20</b> शनि. २०
<b>Vaman Dwadashi</b> वामन द्वादशी	<b>Sat. 20</b> शनि. २०
<b>Shri Mahaveer Jayanti (Jain)</b> श्री महावीर जयन्ती (जैन)	<b>Sun. 21</b> रवि. २१
<b>Poornima Vrat (Satyanarayan)</b> पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण) (चैत्रमास)	<b>Tue. 23</b> मंग. २३
<b>Hanuman Jayanti(South India)</b>	<b>Tue. 23</b>

हनुमान जयन्ती (दक्षिण भारत )	मंग.	२३
Vaishakh Snan (Bath) Begins	Tue.	23
वैशाख स्नान प्रारम्भ	मंग.	२३
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat	Fri.	26
संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (विकट गणेश चतुर्थी)	शुक्र.	२६
Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)	Tue.	30
कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	मंग.	३०

## **MAY 2024**

## **DAY DATE**

### **Vaishakh - Jyeshth**

### **Samvat 2081**

### **वैशाख मास - ज्येष्ठ मास**

### **संवत् २०८१**

Masik Durga Ashtami Vrat	Wed.	01
मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	बुध.	०१
Shri Sheetala Ashtami Vrat	Wed.	01
श्री शीतला अष्टमी व्रत (बसिअउरा)	बुध.	०१
<b>Varuthini Ekadashi Vrat</b>	<b>Sat.</b>	<b>04</b>
वरुथिनी एकादशी व्रत (वैशाख मास)	शनि.	०४
Ravi Pradosh Vrat	Sun.	05
रवि प्रदोष व्रत (वैशाखमास)	रवि.	०५
MasShivaratri 13 Vrat (Vaishakh)	Mon.	06
मासशिवरात्रि व्रत (वैशाखमास)	सोम.	०६
<b>Bhumavati Amavasya</b>	<b>Tue.</b>	<b>07</b>
भौमवती अमावस्या(वैशाखमास)(स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	मंग.	०७
Parshuram Jayanti	Thu.	09
परशुराम जयन्ती	गुरु.	०९

<b>Akshya Trutiya</b> (Donate satt,sugar,water,urn)	<b>Fri.</b>	<b>10</b>
अक्षय तृतीया (सत्तू,चीनी,पानी,कलश दान)	शुक्र.	१०
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat	Sat.	11
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	शनि.	११
Surdas Jayanti	Sun.	12
सूरदास जयन्ती	रवि.	१२
Aady Guru Shankaracharya Jayanti	Sun.	12
आद्य गुरु शंकराचार्य जयन्ती	रवि.	१२
<b>Mother's Day</b>	<b>Sun.</b>	<b>12</b>
मातृ दिवस	रवि.	१२
Shri Skand Shashthi ( Kumar)	Mon.	13
श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)	सोम.	१३
Shri Ganga Jayanti (Gangapoojan)	Tue.	14
श्री गंगा जयन्ती (गंगा पूजन)	मंग.	१४
<b>Sankranti (Vaishakh)(Vrishabha)</b>	<b>Tue.</b>	<b>14</b>
संक्रान्ति (वैशाखमास) (वृषभ राशी)	मंग.	१४
MasikDurgaAshtami Vrat	Wed.	15
मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	बुध.	१५
Shri Bagulamukhi Jayanti	Wed.	15
श्री बगुलामुखी जयन्ती	बुध.	१५
Seeta Jayanti (Seeta Birthday)	Thu.	16
सीता जयन्ती (श्री सीता जन्म)(वैशाख शुक्ल नवमी)	गुरु.	१६
<b>Mohini Ekadashi Vrat</b>	<b>Sat.</b>	<b>18</b>
मोहिनी एकादशी व्रत	शनि.	१८
SomPradosh Vrat	Mon.	20

सोमप्रदोष व्रत (वैशाखमास)	सोम.	२०
Shri Nrusingh Jayanti	Tue.	21
श्री नृसिंह जयन्ती	मंग.	२१
Shri Koorm Jayanti	Wed.	22
श्री कूर्म जयन्ती	बुध.	२२
<b>Buddh Poornima (BuddhJayanti)</b>	<b>Wed.</b>	<b>22</b>
बुद्ध पूर्णिमा व्रत(सत्यनारायण)(बुद्ध जयन्ती) (वैशाख)	बुध.	२२
Vaishakh Snan (Bath) ends	Thu.	23
वैशाख मास स्नान समाप्त	गुरु.	२३
Narad Jayanti	Fri.	24
नारद जयन्ती	शुक्र.	२४
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat	Sun.	26
संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (एकदन्त गणेश चतुर्थी)	रवि.	२६
Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)	Thu.	30
कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	गुरु.	३०
Shri Sheetala Ashtami Vrat	Thu.	30
श्री शीतला अष्टमी व्रत (बसिअउरा)	गुरु.	३०

**JUNE 2024 DAY DATE**

**Jyeshth– Aashadh Samvat 2081**  
**ज्येष्ठ मास - आषाढ मास संवत् २०८१**

<b>Achla (Apra) Ekadashi Vrat</b>	<b>Sun.</b>	<b>02</b>
अचला (अपरा) एकादशी व्रत	रवि.	०२
SomPradosh Vrat	Mon.	03
सोमप्रदोष व्रत(ज्येष्ठमास)	सोम.	०३
MasShivaratri 13 Vrat (Jyeshth)	Tue.	04

मासशिवरात्रि व्रत (ज्येष्ठमास)	मंग.	०४
<b>Vat Savitri Vrat (U.P.) (Begins)</b>	<b>Tue.</b>	<b>04</b>
वट सावित्री व्रत प्रारम्भ (प्रथमदिन) (उत्तर भारत)	मंग.	०४
<b>Vat Savitri Vrat (U.P.) (2nds)</b>	<b>Wed.</b>	<b>05</b>
वट सावित्री व्रत (द्वितीय दिवस) (उत्तर भारत)	बुध.	०५
<b>Vat Savitri Vrat (U.P.) (Ends)</b>	<b>Thu.</b>	<b>06</b>
वट सावित्री व्रत समाप्त (उत्तर भारत)	गुरु.	०६
<b>Amavasya (Jyeshth)</b>	<b>Thu.</b>	<b>06</b>
अमावस्या (ज्येष्ठमास) (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	गुरु.	०६
<b>Shri Shanaishchar Jayanti</b>	<b>Thu.</b>	<b>06</b>
श्री शनैश्चर जयन्ती	गुरु.	०६
<b>Rambha Trutiya</b>	<b>Sat.</b>	<b>08</b>
रम्भा तृतीया	शनि.	०८
<b>Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat</b>	<b>Sun.</b>	<b>09</b>
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	रवि.	०९
<b>Shri Skand Shashthi (Kumar)</b>	<b>Wed.</b>	<b>12</b>
श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)	बुध.	१२
<b>MasikDurgaAshtami Vrat</b>	<b>Fri.</b>	<b>14</b>
मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	शुक्र.	१४
<b>Ksheer Bhavani (Mela)Kashmir</b>	<b>Fri.</b>	<b>14</b>
क्षीर भवानी (मेला)काश्मीर	शुक्र.	१४
<b>Sankranti (Jyeshth)(Mithun)</b>	<b>Fri.</b>	<b>14</b>
संक्रान्ति (ज्येष्ठमास) (मिथुन राशी)	शुक्र.	१४
<b>Ganga Dashara</b>	<b>Sun.</b>	<b>16</b>
गंगा दशहरा (गंगा जन्म)	रवि.	१६



<b>Father's Day</b> पितृ दिवस	<b>Sun.</b> 16 रवि. १६
Gayatri Jayanti गायत्री जयन्ती	<b>Mon.</b> 17 सोम. १७
<b>Nirjala Ekadashi Vrat</b> निर्जला एकादशी व्रत	<b>Mon.</b> 17 सोम. १७
BhaumaPradosh Vrat (Jyeshth) भौम प्रदोष व्रत (ज्येष्ठमास)	<b>Tue.</b> 18 मंग. १८
<b>Surya Dakshinayan</b> (Biggest day of year) सूर्य दक्षिणायन (साल का सबसे बड़ा दिन)	<b>Thu.</b> 20 गुरु. २०
<b>Grishma Ritu End</b> ग्रीष्म ऋतु समाप्त	<b>Thu.</b> 20 गुरु. २०
<b>Varsha Ritu Begins</b> वर्षा ऋतु प्रारम्भ	<b>Thu.</b> 20 गुरु. २०
Vat Savitri Vrat (South India) वट सावित्री व्रत (दक्षिण भारत)	<b>Fri.</b> 21 शुक्र. २१
Sant Kabeer Jayanti संत कबीर जयन्ती	<b>Fri.</b> 21 शुक्र. २१
International Yoga Day विश्व योग दिवस	<b>Fri.</b> 21 शुक्र. २१
<b>Poornima (Satyanarayan) Vrat</b> पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण)(ज्येष्ठमास)	<b>Fri.</b> 21 शुक्र. २१
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (कृष्णपिंजल गणेश चतुर्थी)	<b>Mon.</b> 24 सोम. २४
Shri Sheetala Ashtami Vrat	<b>Fri.</b> 28

श्री शीतला अष्टमी व्रत (बसिअउरा)	शुक्र.	२८
Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)	Fri.	28
कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	शुक्र.	२८

## **JULY 2024**

## **DAY DATE**

### **Aashadh –Shravan**

### **Samvat 2081**

### **आषाढ मास - श्रावण मास**

### **संवत् २०८१**

### **Canada Day**

**Mon. 01**

केनेडा दिवस

सोम. ०१

### **Yogini Ekadashi Vrat**

**Mon. 01**

योगिनी एकादशी व्रत

सोम. ०१

### **Bhum Pradosh Vrat**

**Tue. 02**

भौम प्रदोष व्रत (आषाढमास)

मंग. ०२

### **MasShivaratri 13 Vrat (Aashadh)**

**Thu. 04**

मासशिवरात्रि व्रत (आषाढमास)

गुरु. ०४

### **Amavasya (Ashadha)**

**Fri. 05**

अमावस्या(आषाढमास)(स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)

शुक्र. ०५

### **Rathyatra (JagannathPuri)**

**Sun. 07**

रथयात्रा (जगन्नाथ पुरी)

रवि. ०७

### **Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat**

**Tue. 09**

वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत

मंग. ०९

### **Skand Shashthi (kumar Shashthi Vrat)**

**Thu. 11**

स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)

गुरु. ११

### **MasikDurgaAshtami Vrat**

**Sat. 13**

मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत

शनि. १३

### **Sankranti (Aashadh)(Karka)**

**Mon. 15**

संक्रान्ति (आषाढमास) (कर्क राशी)	सोम.	१५
Gauri Vrat Begins	Tue.	16
गौरी व्रत आरम्भ	मंग.	१६
<b>Harishayani Ekadashi Vrat</b>	<b>Wed.</b>	<b>17</b>
हरिशयनी (देवशयनी) एकादशी व्रत	बुध.	१७
<b>Chaturmasya Vrat Begins</b>	<b>Wed.</b>	<b>17</b>
चातुर्मास्य व्रत आरम्भ	बुध.	१७
Vaman Dwadashi	Wed.	17
वामन (वासुदेव) द्वादशी	बुध.	१७
GuruPradosh Vrat (Ashadha)	Thu.	18
गुरु प्रदोष व्रत (आषाढमास)	गुरु.	१८
<b>Jayaparvati Vrat (Gujarat) Begins</b>	<b>Fri.</b>	<b>19</b>
जया पार्वती व्रत प्रारम्भ (गुजरात प्रदेश)	शुक्र.	१९
Kokila Vrat	Sat.	20
कोकिला व्रत	शनि.	२०
Gauri Vrat Ends	Sat.	20
गौरी व्रत आरम्भ समाप्त	शनि.	२०
<b>GuruPoornima(Satyanarayan)Vrat</b>	<b>Sat.</b>	<b>20</b>
गुरु पूर्णिमा व्रत(सत्यनारायण)(व्यास पूजा)(आषाढमास)	शनि.	२०
<b>Shravan Somvar Vrat (Begins)</b>	<b>Mon.</b>	<b>22</b>
श्रावण सोमवार व्रत (श्रावण मास) (प्रारम्भ)	सोम.	२२
<b>Mangala Gauri Vrat (Begins)</b>	<b>Tue.</b>	<b>23</b>
मंगला गौरी व्रत (श्रावण मास) (प्रारम्भ)	मंग.	२३
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat	Tue.	23
संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (गजानन गणेश चतुर्थी)	मंग.	२३

Jayaparvati Vrat (Gujarat)Ends जया पार्वती व्रत समाप्त (गुजरात प्रदेश)	Tue. 23 मंग. २३
Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja) कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	Sat. 27 शनि. २७
<b>Shravan Somvar Vrat</b> श्रावण सोमवार व्रत (श्रावण मास)	<b>Mon. 29</b> सोम. २९
<b>Mangala Gauri Vrat</b> मंगला गौरी व्रत (श्रावण मास)	<b>Tue. 30</b> मंग. ३०
<b>Kamika Ekadashi Vrat</b> कामिका (कामदा) एकादशी व्रत (श्रावण मास)	<b>Tue. 30</b> मंग. ३०
<b><u>AUGUST</u> 2024</b>	<b>DAY DATE</b>
<b>Shravan – Bhadrapad</b>	<b>Samvat 2081</b>
श्रावण मास – भाद्रपद मास	संवत् २०८१
GuruPradosh Vrat (Shravan) गुरु प्रदोष व्रत (श्रावणमास)	Thu. 01 गुरु. ०१
MasShivaratri 13 Vrat (Shravan) मासशिवरात्रि व्रत (श्रावणमास)	Fri. 02 शुक्र. ०२
<b>Amavasya (Shravan)</b> अमावस्या (श्रावणमास) (स्नान-दान-श्राध्द कर्म)	<b>Sat. 03</b> शनि. ०३
Hariyali Amavasya हरियाली अमावस्या (स्नान-दान-श्राध्द कर्म)	Sun. 04 रवि. ०४
<b>Shravan Somvar Vrat</b> श्रावण सोमवार व्रत (श्रावण मास)	<b>Mon. 05</b> सोम. ०५
<b>Mangala Gauri Vrat</b> मंगला गौरी व्रत (श्रावण मास)	<b>Tue. 06</b> मंग. ०६

Madhushrwa (Singhara) Teej Vrat मधुश्रवा (सिंघारा या स्वर्णगौरी) तीज व्रत	Wed. 07 बुध. ०७
<b>Hariyali Teej Vrat</b> हरियाली तीज व्रत	<b>Wed. 07</b> बुध. ०७
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	Thu. 08 गुरु. ०८
<b>Nag Panchmi</b> (Worship of Takshak Nags at the main entrance) नाग पंचमी (गृह द्वार पर तक्षक नागों की पूजा)	<b>Fri. 09</b> शुक्र. ०९
Shri Skand Shashthi (Kumar) श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)	Sat. 10 शनि. १०
Kalki Avatar (Jayanti) कल्कि अवतार (जयन्ती)	Sat. 10 शनि. १०
Bhanu Saptami भानु सप्तमी	Sun. 11 रवि. ११
Goswami Tulsidas Jayanti गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती	Sun. 11 रवि. ११
MasikDurgaAshtami Vrat मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत (श्रावण मास)	Mon. 12 सोम. १२
Mela Shri Chintpurani Mata(begin) मेला श्री चिन्तपूर्णी माता (प्रारम्भ)	Mon. 12 सोम. १२
<b>Shravan Somvar Vrat</b> श्रावण सोमवार व्रत (श्रावण मास)	<b>Mon. 12</b> सोम. १२
<b>Mangala Gauri Vrat</b> मंगला गौरी व्रत (श्रावण मास)	<b>Tue. 13</b> मंग. १३

<b>Mangala Gauri Vrat (Ends)</b> मंगला गौरी व्रत समाप्त (श्रावण मास)	<b>Tue.</b> मंग.	<b>13</b> १३
<b>Putrada(Pavitra)Ekadashi Vrat</b> पुत्रदा(पवित्रा) एकादशी व्रत (श्रावण मास)	<b>Sun.</b> रवि.	<b>15</b> १५
<b>Bharat Svtantrata Divas (78)</b> भारत स्वतंत्रता दिवस (७८वां)	<b>Thu.</b> गुरु.	<b>15</b> १५
<b>Varalakshmi Vrat</b> वरलक्ष्मी व्रत	<b>Fri.</b> शुक्र.	<b>16</b> १६
<b>Sankranti (Sinha) (Shravan)</b> संक्रान्ति (सिंह राशी) (श्रावणमास)	<b>Fri.</b> शुक्र.	<b>16</b> १६
<b>Shukra Pradosh Vrat (Shravan)</b> शुक्र प्रदोष व्रत (श्रावणमास)	<b>Fri.</b> शुक्र.	<b>16</b> १६
<b>Sharvanikarm (Rigvede Sharvanikarm)</b> श्रावणी कर्म (ऋग्वेदि श्रावणी कर्म)	<b>Sun.</b> रवि.	<b>18</b> १८
<b>Shravan Somvar Vrat</b> श्रावण सोमवार व्रत (श्रावण मास)	<b>Mon.</b> सोम.	<b>19</b> १९
<b>Shravan Somvar Vrat (End)</b> श्रावण सोमवार व्रत (समाप्त)	<b>Mon.</b> सोम.	<b>19</b> १९
<b>Poornima Vrat (Satyanarayan)</b> पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण) (श्रावण मास)	<b>Mon.</b> सोम.	<b>19</b> १९
<b>Rakshabandhan</b> रक्षा बन्धन	<b>Mon.</b> सोम.	<b>19</b> १९
<b>Sharvanikarm (YajurvedeSharvanikarm)</b> श्रावणी कर्म (यजुर्वेदी श्रावणी कर्म)	<b>Mon.</b> सोम.	<b>19</b> १९
<b>Gayatri Jayanti</b>	<b>Mon.</b>	<b>19</b>

गायत्री जयन्ती	सोम.	१९
Hayagriva Jayanti	Mon.	19
हयग्रीव जयन्ती	सोम.	१९
Shri Amarnath Gufa Darshan	Mon.	19
श्री अमरनाथ गुफा दर्शन	सोम.	१९
Kajjali Teej (Kajari)	Wed.	21
कज्जली तीज (कजरी)	बुध.	२१
<b>Varsha Ritu Ends</b>	<b>Thu.</b>	<b>22</b>
<u>वर्षा ऋतु समाप्त</u>	गुरु.	२२
<b>Shrad Ritu Begins</b>	<b>Thu.</b>	<b>22</b>
<u>शरद ऋतु प्रारम्भ</u>	गुरु.	२२
<b>Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat</b>	<b>Thu.</b>	<b>22</b>
संकष्टी (बहुला) गणेश चतुर्थी व्रत (हेरम्ब गणेश)	गुरु.	२२
<b>Chandan Shashthi</b>	<b>Sat.</b>	<b>24</b>
चन्दन षष्ठी	शनि.	२४
<b>Hal Shashthi (Lalhi Shashthi) Vrat</b>	<b>Sat.</b>	<b>24</b>
हल षष्ठी व्रत (ललही षष्ठी)	शनि.	२४
<b>Balaram Jayanti</b>	<b>Sat.</b>	<b>24</b>
बलराम जयन्ती	शनि.	२४
<b>Bhanu Saptami</b>	<b>Sun.</b>	<b>25</b>
भानु सप्तमी	रवि.	२५
<b>Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)</b>	<b>Sun.</b>	<b>25</b>
कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	रवि.	२५
<b>Shri KrishnJanmashtami Vrat</b>	<b>Mon.</b>	<b>26</b>
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत (स्मार्त सम्प्रदाय) (SmartaGrup)	सोम.	२६

Gokulastami (Nandotsav) गोकुलाष्टमी (नन्दोत्सव)(दही हाण्डी)	Tue. 27 मंग. २७
Shri KrishnJanmashtami Vrat (Vaishnav) श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत (वैष्णव सम्प्रदाय)	Tue. 27 मंग. २७
Shri Durva Ashtami Vrat श्री दूर्वा अष्टमी व्रत	Tue. 27 मंग. २७
Shri Gugga Navami श्री गुग्गा नवमी (गंधर्व नवमी)	Tue. 27 मंग. २७
<b>Jaya Ekadashi Vrat</b> जया (अजा) एकादशी व्रत	<b>Thu. 29</b> गुरु. २९
Shukra Pradosh Vrat (Bhadrapad) शुक्र प्रदोष व्रत (भाद्रपदमास)	Fri. 30 शुक्र. ३०
MasShivaratri 13 Vrat (Bhadrapad) मासशिवरात्रि व्रत (भाद्रपदमास)	Sat. 31 शनि. ३१

## SEPTEMBER 2024

## DAY DATE

### Bhadrapad - Ashvin

### Samvat 2081

भाद्रपद मास – आश्विन मास

संवत् २०८१

**SomavatiAmavasya(Kushgrahni) Mon. 02**

अमावस्या (कुशग्रहणी) (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म) सोम. ०२

Varaha Avatar (Jayanti) Thu. 05

वाराह अवतार (जयन्ती) गुरु. ०५

**Haritalika Teej Vrat Thu. 05**

हरितालिका तीज व्रत गुरु. ०५

Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat Fri. 06

वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत (भाद्रपद मास) शुक्र. ०६



<b>Ganesh ChaturthiVrat</b> (Kalank) ( <b>Ottawa</b> ) <b>Fri.</b>	<b>06</b>
गणेश चतुर्थी व्रत (कलंक, पत्थर चौथ) (आटवा) शुक्र.	०६
<b>Shri GaneshPoojan begins</b> (Mumbai) <b>Fri.</b>	<b>06</b>
श्री गणेश पूजन प्रारम्भ (मुम्बई, महाराष्ट्र) शुक्र.	०६
<b>RishiPanchamiVrat</b> (Rishi Worship by women) <b>Sat.</b>	<b>07</b>
ऋषि पंचमी व्रत(शरीर की शुद्धि के लिए महिलाओं द्वारा ऋषि पूजन) शनि.	०७
<b>Skand Shashthi</b> (kumar Shashthi Vrat) <b>Mon.</b>	<b>09</b>
स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत) सोम.	०९
<b>Lolark Shashthi Vrat</b> <b>Mon.</b>	<b>09</b>
लोलार्क षष्ठी व्रत (काशी लोलार्क कुण्ड स्नान) सोम.	०९
<b>Shri Maha Lakshmi Vrat Begins</b> <b>Tue.</b>	<b>10</b>
श्री महालक्ष्मी (१६दिवसीय) व्रत प्रारम्भ मंग.	१०
<b>MasikDurgaAshtami Vrat</b> <b>Tue.</b>	<b>10</b>
मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत मंग.	१०
<b>Shri Radha Ashtami</b> <b>Wed.</b>	<b>11</b>
श्री राधा अष्टमी (मथुरा राधाकुण्ड स्नान) बुध.	११
<b>Budha Ashtami Vrat</b> <b>Wed.</b>	<b>11</b>
बुध अष्टमी व्रत बुध.	११
<b>Padma EkadashiVrat</b> <b>Sat.</b>	<b>14</b>
पद्मा(परिवर्तिनी) एकादशी व्रत (भाद्रपद मास) शनि.	१४
<b>Vaman Jayanti</b> <b>Sat.</b>	<b>14</b>
वामन जयन्ती शनि.	१४
<b>Ravi Pradosh Vrat</b> <b>Sun.</b>	<b>15</b>
रवि प्रदोष व्रत (भाद्रपद मास) रवि.	१५
<b>Maharavivar Vrat</b> <b>Sun.</b>	<b>15</b>

महारविवार व्रत (आज नमक रहित भोजन दिवस)	रवि.	१५
<b>Anant Chaturdashi Vrat</b>	<b>Mon.</b>	<b>16</b>
अनन्त चतुर्दशी व्रत	सोम.	१६
<b>Shri GaneshPoojanEnds(Mumbai)</b>	<b>Mon.</b>	<b>16</b>
श्री गणेश पूजन समाप्त (विसर्जन) (मुम्बई, महाराष्ट्र)	सोम.	१६
<b>Sankranti (Kanya)</b>	<b>Mon.</b>	<b>16</b>
संक्रान्ति (कन्या राशी) (भाद्रपद मास)	सोम.	१६
Vishvakarma Pooja	Mon.	16
विश्वकर्मा पूजा	सोम.	१६
<b>Poornima (Satyanarayan)Vrat</b>	<b>Tue.</b>	<b>17</b>
पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण) (भाद्रपद मास)	मंग.	१७
Poornima Shraddh	Tue.	17
पूर्णिमा श्राद्ध (पूर्णिमा के दिन मृत प्राणियों का श्राद्ध दिन)	मंग.	१७
<b>Partial Lunar Eclipse <u>Tue/Wed. 17/18</u></b>		
खण्ड चन्द्र ग्रहण(यह चंद्रग्रहण आटवा में दिखेगा) <u>मंग./बुध. १७/१८</u>		
<b>This Lunar Eclipse will be visible in Ottawa</b>		
Eclips in Ottawa <u>Start (Sep 17) 21:14:17 End (Sep 18) 22:14:17</u>		
Sutak Begins (Sep 17) 10:10:02 End (Sep 18) 22:14:17		
खण्ड चन्द्र ग्रहण सितम्बर १७ सायंकाल ८:४१ से सितम्बर १८ सुबह १२:४७ तक)		
<b>ShraddhPaksh (Mahaly) Begins</b>	<b>Wed.</b>	<b>18</b>
श्राद्ध पक्ष आरम्भ (पितृपक्ष या महालय आरम्भ)	बुध.	१८
Pratipad shraddh (1st Day)	Wed.	18
प्रतिपद श्राद्ध (श्राद्ध पहला दिन)	बुध.	१८
Dwitiya Shraddh (2nd Day)	Thu.	19
द्वितीया श्राद्ध (श्राद्ध दूसरा दिन)	गुरु.	१९
Tritiya Shraddh (3rd Day)	Fri.	20

त्रितीया श्राद्ध (श्राद्ध तीसरा दिन)	शुक्र.	२०
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat	Fri.	20
संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (विघ्नराज गणेश चतुर्थी)	शुक्र.	२०
Chaturthi Shraddh (4thDay)	Fri.	20
चर्तुथी श्राद्ध (श्राद्ध चौथा दिन)	शुक्र.	२०
Panchami Shraddh (5th Day)	Sat.	21
पंचमी श्राद्ध (श्राद्ध पांचवा दिन)	शनि.	२१
Shashthi Shraddh (6th Day)	Sun.	22
षष्ठी श्राद्ध (श्राद्ध छठा दिन)	रवि.	२२
Saptami Shraddh (7th Day)	Mon.	23
सप्तमी श्राद्ध (श्राद्ध सातवां दिन )	सोम.	२३
<b>Mahalakshmi Vrat (Ends)</b>	<b>Tue.</b>	<b>24</b>
महालक्ष्मी व्रत पूर्ण	मंग.	२४
<b>Jeevatputrika Vrat</b>	<b>Tue.</b>	<b>24</b>
जीवत्पुत्रिका व्रत (जीमूत वाहन गणेश पूजन)	मंग.	२४
Ashtami Shraddh (8th Day)	Tue.	24
अष्टमी श्राद्ध (श्राद्ध आठवां दिन)	मंग.	२४
Kalaashtami Vrat(Bhairv Puja)	Tue.	24
कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	मंग.	२४
<b>MatriNavami</b> Saubhagyavati striyon ka shraddha	<b>Wed.</b>	<b>25</b>
मातृ नवमी (सौभाग्यवती स्त्रीयों का श्राद्ध)	बुध.	२५
Navami Shraddh (9th Day)	Wed.	25
नवमी श्राद्ध (श्राद्ध नवां दिन )	बुध.	२५
Dashmi Shraddh (10th Day)	Thu.	26
दशमी श्राद्ध (श्राद्ध दशवां दिन)	गुरु.	२६
Ekadashi Shraddh (11th Day)	Fri.	27

एकादशी श्राद्ध (श्राद्ध ग्यारहवां दिन)	शुक्र.	२७
<b>Indira Ekadashi Vrat</b>	<b>Fri.</b>	<b>27</b>
इन्दिरा एकादशी व्रत (आश्विनमास)	शुक्र.	२७
Dwadashi Shraddh (12th Day)	Sat.	28
द्वादशी श्राद्ध (श्राद्ध बारहवां दिन)	शनि.	२८
<b>Ravi Pradosh Vrat</b>	<b>Sun.</b>	<b>29</b>
रवि प्रदोष व्रत (आश्विनमास)	रवि.	२९
Trayodashi Shraddh (13th Day)	Sun.	29
त्रयोदशी श्राद्ध (श्राद्ध तेरहवां दिन)	रवि.	२९
MasShivaratri 13 Vrat (Ashvin)	Mon.	30
मासशिवरात्रि व्रत (आश्विनमास)	सोम.	३०
Chaturdashi Shraddh (14th Day)	Mon.	30
चतुर्दशी श्राद्ध (श्राद्ध चौदहवां दिन)	सोम.	३०

## **OCTOBER 2024**

## **DAY DATE**

**Ashvin - Kartik**

**Samvat 2081**

**आश्विन मास - कार्तिक मास**

**संवत् २०८१**

Amavasya (Ashvin)	Tue.	01
अमावस्या (आश्विनमास)	मंग.	०१

**Amavasya(PitriVisarjan)(Shraddh Ends)** **Wed. 02**

अमावस्या पितृविसर्जन,सर्वपैत्री श्राद्ध (श्राद्ध समाप्त) बुध. ०२

**Mahatma Gandhi Jayanti** Wed. 02

महात्मा गांधी जयन्ती बुध. ०२

**Solar Eclipse (Ottawa)** **Wed. 02**

सूर्य ग्रहण बुध. ०२

(Eclipse Would not be visible in Ottawa) Satak Not Applicable)

(यह सूर्य ग्रहण आटवा में नहीं दिखेगा इस कारण सूतक नहीं लगेगा)

**Sharad Navratri Begins(Ashvin)Thu. 03**

शरद नवरात्रि प्रारम्भ (आश्विन मास शुक्ल पक्ष) गुरु. ०३

Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat Sun. 06

वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत रवि. ०६

Lalita Panchami Vrat Mon. 07

ललिता पञ्चमी व्रत सोम. ०७

Skand Shashthi (kumar Shashthi Vrat) Tue. 08

स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत) मंग. ०८

Shri Saraswati Poojan Begins Wed. 09

श्री सरस्वती पूजन प्रारम्भ बुध. ०९

Akal Bodhan Pooja (Bengal) Wed. 09

अकाल बोधन पूजा (बंगाल प्रदेश) बुध. ०९

Navpatrika Pooja (Bengal) Thu. 10

नवपत्रिका पूजा (बंगाल प्रदेश) गुरु. १०

Sandhi Pooja (Bengal) Thu. 10

सन्धि पूजा (बंगाल प्रदेश) गुरु. १०

MasikDurgaAshtami Vrat Thu. 10

मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत गुरु. १०

**Shri Durga Ashtami (Kanya Pooja)Thu. 10**

श्री दुर्गा अष्टमी (कन्या पूजन) अष्टमी सुबह १०:२८ तक गुरु. १०

Shri Saraswati Poojan Ends Fri. 11

श्री सरस्वती विसर्जन शुक्र. ११

**Maha Navami (Navratri Ends) Fri. 11**

महानवमी (नवरात्रि समाप्त) शुक्र. ११

<b>Navratri Vrat Parna</b> नवरात्रि व्रत पारण	<b>Sat.</b> शनि.	<b>12</b> १२
<b>Vijaya Dashmi (Dussehra)</b> विजया दशमी, दशहरा (आयुध, शस्त्र पूजा)	<b>Sat.</b> शनि.	<b>12</b> १२
<b>Papankusha Ekadashi Vrat</b> पापाङ्कुशा एकादशी व्रत (आश्विन मास)	<b>Sun.</b> रवि.	<b>13</b> १३
<b>SomPradosh Vrat</b> सोमप्रदोष व्रत (आश्विन मास)	<b>Mon.</b> सोम.	<b>14</b> १४
<b>Sankranti (Ashvin) (Tula)</b> संक्रान्ति (आश्विन मास) (तुला राशी)	<b>Wed.</b> बुध.	<b>16</b> १६
<b>Maharshi Valmiki Jayanti</b> महर्षि वाल्मीकि जयन्ती	<b>Wed.</b> बुध.	<b>16</b> १६
<b>Poornima Vrat (Satyanarayan)</b> पूर्णिमा व्रत (शरद ऋतु)(सत्यनारायण)(आश्विन मास)	<b>Wed.</b> बुध.	<b>16</b> १६
<b>Poornima (Ashvin) (Till 7:25 am)</b> पूर्णिमा (आश्विन मास) (सुबह ७:२५ तक)	<b>Thu.</b> गुरु.	<b>17</b> १७
<b>Kartik Snan (Bath) Begins</b> कार्तिक स्नान प्रारम्भ	<b>Fri.</b> शुक्र.	<b>18</b> १८
<b>KartikTulsipoojan Deepdan (Begins)</b> कार्तिक तुलसी पूजन दीपदान प्रारम्भ	<b>Fri.</b> शुक्र.	<b>18</b> १८
<b>Karva Chauth Vrat (Canada)</b> करवा चौथ व्रत (केनेडा)	<b>Sun.</b> रवि.	<b>20</b> २०
<b>Moonrise will happen at 7:54 in the evening</b> (चन्द्रोदय सायं ०७:५४ पर होगा)		
<b>Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat</b>	<b>Sun.</b>	<b>20</b>

संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (वक्रतुण्डगणेश चतुर्थी व्रत)	रवि.	२०
<b>Sharad Ritu Ends</b>	<b>Tue.</b>	<b>22</b>
<u>शरद ऋतु समाप्त</u>	मंग.	२२
<b>Hemant Ritu Begins</b>	<b>Tue.</b>	<b>22</b>
<u>हेमन्त ऋतु प्रारम्भ</u>	मंग.	२२
<b>Ahoi Ashtami</b>	<b>Wed.</b>	<b>23</b>
अहोई अष्टमी	बुध.	२३
<b>Radhaashtami Vrat (Jayanti)</b>	<b>Wed.</b>	<b>23</b>
राधाष्टमी व्रत (राधा जन्मोत्सव) राधा कुण्ड स्नान	बुध.	२३
<b>Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)</b>	<b>Wed.</b>	<b>23</b>
कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	बुध.	२३
<b>Rambha Ekadashi Vrat (Kartik)</b>	<b>Sun.</b>	<b>27</b>
रम्भा (रमा) एकादशी व्रत (कार्तिकमास)	रवि.	२७
<b>Govats Dwadashi</b>	<b>Mon.</b>	<b>28</b>
गोवत्स द्वादशी	सोम.	२८
<b>Bhauma Pradosh Vrat</b>	<b>Tue.</b>	<b>29</b>
भौम प्रदोष व्रत (कार्तिकमास)	मंग.	२९
<b>Dhan Trayodashi (Dhanteras)</b>	<b>Tue.</b>	<b>29</b>
धन त्रयोदशी (धनतेरस) (चार बत्तियों वाला यम दीप दान)	मंग.	२९
<b>MasShivaratri 13 Vrat (Kartik)</b>	<b>Wed.</b>	<b>30</b>
मासशिवरात्रि व्रत (कार्तिकमास)	बुध.	३०
<b>Hanuman Jayanti (HanumanJanam)</b>	<b>Wed.</b>	<b>30</b>
हनुमान जयन्ती (हनुमान जन्म (उत्तर भारत)	बुध.	३०
<b>Narak Chaturdashi (Kali Chaudas)</b>	<b>Wed.</b>	<b>30</b>
नरक चतुर्दशी (काली चौदस)	बुध.	३०

**Deepavali (Amavasya) (Kartik) Thu. 31**

दीपावली(अमावस्या)(गणेश-लक्ष्मी,दीप पूजा)(हनुमान दर्शन) गुरु. ३१

(चोपडा पर सरस्वती,कलम दावात पर काली,सिक्के पर कुबेर पूजा करें)

(Warship Saraswati on Chopra, Kali on kalm (Pen) dawat, Kuber on coin)

**NOVEMBER 2024 DAY DATE**

**Kartik – Margsheersh Samvat 2081**

**कार्तिक मास – मार्गशीर्ष मास संवत् २०८१**

**Govardhan Pooja (Annkoot) Fri. 01**

गोवर्धन पूजा (अन्नकूट) शुक्र. ०१

**Vishvakarma Pooja (Punjab) Fri. 01**

विश्वकर्मा पूजा (पंजाब) शुक्र. ०१

**Gujarati New Year Fri. 01**

गुजराती नववर्ष (कार्तिकमास) शुक्र. ०१

**Bhai Dooj (Yama Dvitiya) Sat. 02**

भाई दूज (यम द्वितीया) (बहन के घर भोजन) शनि. ०२

**Chitragupt pooja (Kalam- davat pooja) Sat. 02**

चित्र गुप्त पूजा (कलम-दावात पूजा) शनि. ०२

**Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat Tue. 05**

वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत मंग. ०५

**Surya Shashthi Vrat Begins Tue. 05**

सूर्यषष्ठी व्रत आरम्भ (प्रथम दिन) मंग. ०५

**Labh Panchami (Gujarat) Wed. 06**

लाभ पञ्चमी (सौभाग्य पञ्चमी) बुध. ०६

**Skand Shashthi (kumar Shashthi Vrat) Wed. 06**

स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत) बुध. ०६



<b>Surya Shashthi Vrat 2<sup>nd</sup> day</b> सूर्यषष्ठी व्रत (द्वितीय दिन) (संध्या अर्घ्य)	<b>Wed.</b>	<b>06</b>
	बुध.	०६
<b>Surya Shashthi Vrat 3<sup>rd</sup> day</b> सूर्यषष्ठी व्रत तृतीय दिन(प्रातः अर्घ्य व्रत पारणा)	<b>Thu.</b>	<b>07</b>
	गुरु.	०७
<b>Gopashtami (Cow Pooja)</b> गोपाष्टमी (सायं गाय को अलंकृत कर पूजा)	<b>Sat.</b>	<b>09</b>
	शनि.	०९
<b>MasikDurgaAshtami Vrat</b> मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	<b>Sat.</b>	<b>09</b>
	शनि.	०९
<b>Shri Sheetala Ashtami Vrat</b> श्री शीतला अष्टमी व्रत	<b>Sat.</b>	<b>09</b>
	शनि.	०९
<b>Jagaddhatri Pooja (Bengal)</b> जदध्दात्री पूजा (बंगाल प्रदेश)	<b>Sun.</b>	<b>10</b>
	रवि.	१०
<b>Akashya Navami (AmalaPooja)</b> अक्षय नवमी(आमला वृक्ष पूजन,आमलावृक्षतटेभोजन)	<b>Sun.</b>	<b>10</b>
	रवि.	१०
<b>Shri Bheeshmpanchak Begins</b> श्री भीष्मपञ्चक आरम्भ	<b>Mon.</b>	<b>11</b>
	सोम.	११
<b>HariPrabhodhaniEkadashiVrat</b> हरि प्रबोधनी एकादशी व्रत (देवुत्थान)(कार्तिक मास)	<b>Mon.</b>	<b>11</b>
	सोम.	११
<b>Tulsi Vivah (Tulsi Marriage)</b> तुलसी विवाह	<b>Tue.</b>	<b>12</b>
	मंग.	१२
<b>Budh Pradosh Vrat</b> बुध प्रदोष व्रत (कार्तिक मास)	<b>Wed.</b>	<b>13</b>
	बुध.	१३
<b>Chaturmas Vrat Ends</b> चातुर्मास व्रत समाप्त	<b>Wed.</b>	<b>13</b>
	बुध.	१३
<b>Vishweshwara Vrat</b> (Kashi Vishvnath Puja)	<b>Thu.</b>	<b>14</b>

विश्वेश्वर व्रत (श्री काशी विश्वनाथ स्थापना दिवस)	गुरु.	१४
<b>Shri Vaikunth Chaturdashi Vrat</b>	<b>Thu.</b>	<b>14</b>
श्री वैकुण्ठ चतुर्दशी व्रत (काशी मणिकर्णिका स्नान)	गुरु.	१४
<b>Sankranti (Margsheersh) Vrishchik</b>	<b>Fri.</b>	<b>15</b>
संक्रान्ति (मार्गशीर्ष मास) (वृश्चिक राशी)	शुक्र.	१५
Guru Nanak Jayanti	Fri.	15
गुरु नानक जयन्ती	शुक्र.	१५
Shri Bheeshmpanchak Ends	Fri.	15
श्री भीष्मपञ्चक समाप्त	शुक्र.	१५
Kartik Snan (bath) Ends	Fri.	15
कार्तिक स्नान समाप्त	शुक्र.	१५
Kartik Tulsipoojan Deepdan (Ends)	Fri.	15
कार्तिक तुलसी पूजन दीपदान समाप्त	शुक्र.	१५
<b>Poornima Vrat (Satyanarayan)</b>	<b>Fri.</b>	<b>15</b>
पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण) (देव दीपावली) (कार्तिकमास)	शुक्र.	१५
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat	Mon.	18
संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (गणाधिप गणेश चतुर्थी)	सोम.	१८
<b>Shri Kalbhairav Jayanti (Ashtami)</b>	<b>Fri.</b>	<b>22</b>
श्री कालभैरव जयन्ती (अष्टमी)	शुक्र.	२२
Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)	Fri.	22
कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजन)	शुक्र.	२२
<b>Utpanna Ekadashi Vrat</b>	<b>Tue.</b>	<b>26</b>
उत्पन्ना एकादशी व्रत (मार्गशीर्ष मास)	मंग.	२६
Guru Pradosh Vrat	Thu.	28
गुरु प्रदोष व्रत (मार्गशीर्ष मास)	गुरु.	२८

MasShivaratri 13 Vrat (Margsheersh) Fri. 29  
मासशिवरात्रि व्रत (मार्गशीर्ष मास) शुक्र. २९

**Amavasya (Margsheersh) Sat. 30**  
अमावस्या (मार्गशीर्ष मास) (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म) शनि. ३०

**DECEMBER 2024 DAY DATE**  
**Margsheersh – Paush Samvat 2081**  
मार्गशीर्ष मास - पौष मास संवत् २०८१

Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat Wed. 04  
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत बुध. ०४

Shri Ram Vivah (Ram Marriage) Thu. 05  
श्री राम विवाह (विवाह पञ्चमी) गुरु. ०५

Skand Shashthi (kumar Shashthi Vrat) Fri. 06  
स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत) शुक्र. ०६

Champa Shashthi (Maharashtra) Fri. 06  
चम्पा षष्ठी (महाराष्ट्र) शुक्र. ०६

Mitra Saptami Sat. 07  
मित्र सप्तमी शनि. ०७

MasikDurgaAshtami Vrat Sun. 08  
मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत रवि. ०८

**Mokshada Ekadashi Vrat Wed. 11**  
मोक्षदा एकादशी व्रत बुध. ११

Shri Geeta Jayanti Wed. 11  
श्री गीता जयन्ती बुध. ११

Guru Pradosh Vrat (Margsheersh) Thu. 12  
गुरु प्रदोष व्रत (मार्गशीर्ष मास) गुरु. १२

<b>AnnagTryodashi Vrat</b> अनंग त्रयोदशी व्रत	<b>Fri.</b> 13 शुक्र. १३
<b>PishachmochanShraddh (Varanasi)</b> पिशाचमोचन श्राद्ध (वाराणसी, काशी)	<b>Sat.</b> 14 शनि. १४
<b>Dattatreya Jayanti</b> दत्तात्रेय जयन्ती	<b>Sat.</b> 14 शनि. १४
<b>Annapurna Jayanti</b> अन्नपूर्णा जयन्ती (काशी)	<b>Sat.</b> 14 शनि. १४
<b>PoornimaVrat (Satyanarayan)</b> पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण) (मार्गशीर्ष मास)	<b>Sat.</b> 14 शनि. १४
<b>Sankranti (Paush)Dhanu</b> संक्रान्ति (पौष मास) (धनु राशी)	<b>Sun.</b> 15 रवि. १५
<b>Kharmas Bgins</b> खरमास प्रारम्भ	<b>Sun.</b> 15 रवि. १५
<b>Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat</b> संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (अखुरथ गणेश चतुर्थी)	<b>Wed.</b> 18 बुध. १८
<b>Surya Uttarayan</b> (Shortest Day of Year) सूर्य उत्तरायण (साल का सबसे छोटा दिन)	<b>Sat.</b> 21 शनि. २१
<b>Hemant Ritu Ends</b> <u>हेमन्त ऋतु समाप्त</u>	<b>Sat.</b> 21 शनि. २१
<b>Shishir Ritu Begins</b> <u>शिशिर ऋतु प्रारम्भ</u>	<b>Sat.</b> 21 शनि. २१
<b>Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)</b> कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	<b>Sun.</b> 22 रवि. २२
<b>Saphala (kamala) Eakadashi</b>	<b>Thu.</b> 26

सफला (कमला) एकादशी (पौष मास)	गुरु.	२६
Shukra Pradosh Vrat (Pausha)	Fri.	27
शुक्र प्रदोष व्रत (पौष मास)	शुक्र.	२७
MasShivaratri 13 Vrat (Pausha)	Sat.	28
मासशिवरात्रि व्रत (पौष मास)	शनि.	२८
Amavasya (Pausha)	Mon.	30
अमावस्या (पौष मास) (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	सोम.	३०
Somavati Amavasya (PeepalPooja)	Mon.	30
सोमावती अमावस्या (पीपल वृक्ष विष्णु पूजन)	सोम.	३०



### ✘ Procedures Observing Fasts on Seven Days Of the week ✘

**सोमवार व्रत** - शुक्ल पक्ष के सोमवार से शुरू करें, मानसिक शान्ति एवं पारिवारिक शान्ति हेतु शुभ फलदायक है। अधिक से अधिक जितना हो सके चंद्रमा के मंत्र का जप करें,। शिव-पार्वती की फूल, चावल, पंचामृत, धूप, दीप आदि से पूजा करें। खट्टा व नमक खाना मना है, सफेद भोजन जैसे चावल, खीर आदि एक समय खायें। सफेद वस्तु का दान करें, स्वयं भी सफेद वस्त्र व अन्य श्वेत द्रव्य का प्रयोग करें। कुल ५४ सोमवारों का व्रत करें। सोलह सोमवार व्रत भी किये जा सकते हैं। अन्तिम व्रत में साङ्गोपाङ्ग शिव पूजा करें, हवनादि कर्म करें, बालकों को भोजन करा सकते हैं।

**Monday Fast-** Start this fast on any Monday of Shukla Paksha. This fast is observed for mental peace and family happiness. Recite as much as possible Moon-mantra. Perform Shiv Parwati pooja with flowers, rice, lamp, incense and panchamrit etc. Take meals only once. Use of salt and pickles are prohibited. Wear white and donate white clothes. Observe 54 fasts. It is also useful to observe 16 Monday fasts only. Perform pooja and hawan methodically on the day of last fast. Distribute food among small boys.

**मंगलवार व्रत**- मानसिक व शारीरिक रोगों की निवृत्ति एवं क्रोध शमन के लिए शुक्ल पक्ष के मंगलवार से व्रत प्रारम्भ करें, २१ व्रत करें। गुड़ के हलवे का प्रसाद भोग लागयें, भक्तों को भी प्रसाद वितरण करें, नमक खाना वर्जित है, हनुमान जी की पूजा करें, लाल वस्त्र धारण करें, कम से कम सात माला मंगल के मंत्र का जप करें। हनुमान चालिसा का पाठ भी हितकर होगा। अन्तिम मंगल को विधिवत पूजा हवन कर २१ बालकों को भोजन करावें और मीठा भी खिलाना चाहिये।

#### Tuesday Fast-

This fast is observed for the cure of physical and mental ailments, particularly to suppress anger. Start fasting on any Tuesday of Shukla Paksha and observe 21 fasts. Distribute and take yourself prasad of gur and halwa. Wear red clothes. Perform pooja of Hanumanji and recite basic Mangal mantra for at least 7 times. It is also useful to recite Hanuman Chalisa. On the day of last fast, perform Mangal pooja methodically and serve sweet food to 21 young boys.

**बुधवार व्रत**- यह व्रत शुक्ल पक्ष के बुधवार से प्रारम्भ कर सकते हैं, बौद्धिक विकास के लिये, व्यर्थ की दौड़ धूप एवं मानसिक संकटों की निवृत्ति हेतु इस व्रत को करतें हैं। कुल ४५ व्रत करें, बुध के मंत्र की कम से कम सात माला जप करें। हरे रंग को अधिक प्रयोग में लायें एवं दान भी करें, मूंग के हलवे का प्रसाद वितरण करें। सूर्यास्त से पहले एक बार नमक रहित भोजन करें। अन्तिम बुधवार को विष्णु भगवान व गणेश जी की पूजा करें। बुध के मंत्र से हवन करें, बुध से संबन्धित दान करें, ब्राह्मणों को भोजन करायें।

#### Wednesday fast-

This fast is also to be started on the first Wednesday of Shukla Paksha for mental development and to avoid mental problems. In total 45 fasts are required. Recite at last 7 times the basic Buddha-mantra. Make an extra effort to use green color and distribute alms. Avoid taking salt and take food only once prior to sun-set. On the last day of the fast, pray to Lord Vishnu and Ganesha, perform hawan with Buddha-mantra, distribute food and money to Brahmins and the poor.

**बृहस्पतिवार व्रत** - यह व्रत पारिवारिक शुख शान्ति, सौभाग्य प्राप्ति, सन्तति लाभ, आध्यात्मिक प्रगति के लिये करना चाहिये । कुल १६ बृहस्पतिवार का व्रत करें । विष्णुभगवान की पूजा और बृहस्पति मंत्र का जप करें । पीले रंग की बनी वस्तुओं का दान करें और नमक रहित पीले खाद्यपदार्थों का भगवान को भोग लगाकर प्रसाद वितरण करें और स्वयं खायें । यह व्रत शुक्लपक्ष के प्रथम बृहस्पतिवार से शुरू करके अन्तिम बृहस्पतिवार तक किये गये मंत्र जप और विष्णुसहस्रनाम के द्वारा हवन करना चाहिये । ब्राह्मणों और संतों को भोजन तथा दक्षिणा देकर व्रत का समापन करना चाहिये ।

#### **Thursday Fast -**

This fast is observed for family peace and happiness, good luck, meeting with saints and learned people and spiritual uplift. Observe a total of 16 fasts. Pray to Thursday Devata and recite Thursday-mantra. Distribute yellow coloured things. Consume yellow coloured food devoid of salt. Start fasting on the first Thursday of Shukla Paksha. On the last day of the fast, perform hawan with mantra and thousand Vishnu names. Complete the fast with the distribution of food and money to saintly people.

**शुक्रवार व्रत** - शुक्रवार का व्रत शुक्ल पक्ष के प्रथम शुक्रवार से पारिवारिक जीवन एवं गृह सुख शान्ति और गुप्त रोगों की निवृत्ति हेतु करना चाहिये । कुल २१ दिन व्रत करें कम से कम तीन माला शुक्रमंत्र का जप करना चाहिये । दूध, दही, चीनी, चावल का उपभोग व दान करना चाहिये । श्वेत वस्त्र पहनना चाहिये श्वेत चंदन का तिलक लगाना चाहिये । देवी की पूजा करनी चाहिये । खट्टा, नमक का सेवन न करें मिष्ठान्न भोजन करसकते हैं । शुक्र मंत्र से अंतिम शुक्रवार को हवन करना चाहिये खीर का प्रसाद वितरण करना चाहिये तत्पश्चात् स्वयं भी भोजन करें, सांसारिक सुख ऐश्वर्य के लिये यह व्रत उत्तम माना गया है ।

#### **Friday Fast -**

The fast is observed for happiness and peace and to get rid of hidden ailments. Start this fast on the first Friday of Shukla Paksha. A minimum of 21 fasts are required. Recite at least three cycles of basic Shukra- mantra. Use and distribute milk, sugar, curd and rice etc. Wear white clothes and apply tilak of white sandalwood. It will also be useful to offer pooja to Devi mata. Take sweet meals only once avoiding salt and pickles. On the last day of the fast, perform hawan with the recitation of Shukra-mantra. Distribute to others and consume kheer prashad.

**शनिवार व्रत** - शनिवार का व्रत शुक्ल पक्ष से प्रारम्भ करके कुल ५१ व्रत रखना चाहिये । अन्तिम शनिवार को हवनादि कर्म करके तेल से बनें प्रसाद को दान करें और स्वयं भोजन करें । पदोन्नति, सांसारिक क्लेश निवृत्ति, मान वृद्धि, झगडा वाद विवादादि की समाप्ति हेतु यह व्रत करना चाहिये । शनिवार को शनि देवता की पूजा करनी चाहिये, शनि मंत्र की सात माला जप करें । काले और नीले रंग का प्रयोग करें । नारियल, जूता, छाता, शीशा, लोहादि का दान करें हो सके तो पीपल को पानी देना चाहिये तेल से बनें पदार्थ कुत्ते को खाने के लिये देना चाहिये । हनुमान चालिसा व संकटमोचन का पाठ करना चाहिये ।

#### **Saturday Fast-**

Start this fast on a Saturday of Shukla Paksha and observe 51 fasts. This fast is observed for the elimination of arguments, clashes and tensions in life. Offer pooja to Shani devata and recite at least 7 cycles of Shani Mantra. Use blue color extensively. if possible, water papal tree. Also distribute coconut, shoes, umbrella, mirror and items made of iron.

**रविवार व्रत** - सूर्य ग्रह की शान्ति के लिये चर्मरोग, नेत्र रोग तथा अन्य शारीरिक रोग, गले के रोगों से रक्षा के लिये किसी भी मास के शुक्ल पक्ष के प्रथम रविवार से व्रत प्रारम्भ करना चाहिये । एक वर्ष तक व्रत करें, व्रत के दिन सूर्योदय से पूर्व उठें, स्नानोपरान्त लाल चन्दन का तिलक करें, सूर्य मंत्र का जप करें, सूर्यको अर्घ्य दें । सूर्यास्त से पूर्व ही एक समय भोजन करें, नमक नहीं खाना चाहिये । व्रत के अन्तिम रविवार को हवन करें, ब्राह्मण भोजन व सूर्य की पूजा विधिवत करें, ताम्र पात्र व गेहूँ, रक्त वस्त्र पहनना और दान करना चाहिये ।

#### **Sunday Fast-**

This fast is observed to please Sun and is useful for the cure of skin, throat, eye and other physical ailments. Begin this fast on any Sunday of Shukla Paksha of any month and continue fasting for one year. Get up prior to sun-rise on the fasting day. Apply tilak with red sandalwood after bath. Recite Sun-mantara and offer water (aragh) to the sun. Take food only once prior to sunset. Use of salt is prohibited. Perform hawan on the last day of the fast. Worship Sun methodically and offer food to Brahmins. Wear red coloured clothes and distribute red clothes, copper utensils and wheat on the day of last fast.

### **🕯 Astrological Significance of Weekdays 🕯**

**रविवार** — राज्याभिषेक, उत्सव, यात्रा, नौकरी, क्रय-विक्रय, औषध सेवन व निर्माण, सोना-चांदी धातु कार्य, शिक्षा-दीक्षा, वस्त्र खरीदना, न्याय सम्बन्धी कार्य करना शुभ होता है ।

**Sunday:-** Good day for coronation, festivities, travel, buying and selling, manufacture and taking of medication, metal work in gold-silver, education, initiation, buying clothes and for court (Justice) related activity.

**सोमवार** — नूतन वस्त्र और रत्न धारण, चीनी आदि भोज्य पदार्थ, यज्ञ करना, दूध दही घृत सम्बन्धी कृत्य, स्त्री प्रसंग, क्रय-विक्रय, गीत, नृत्य, पशु सम्बन्धी कार्य, फूल लगाना, अक्षरारम्भ, विद्यारम्भ आदि कृत्य सोमवार को करना शुभ होता है ।

**Monday-** Good for wearing new clothes and gems, buying groceries, performing Yajana business related to dairy products, buying and selling, music and dance, work related to animals, planting of flowers and for starting education.

**मंगलवार** — अग्नि, चोरी, विष, शस्त्र, बन्धन, घात, शठता, दम्भ, पाखण्ड, सेना सम्बन्धी, धातु सोना, मूगा, वाद विवाद, अदालती कार्य, जासूसी नीति कार्य करना आदि अच्छा है। मंगलवार को ऋण लेना अच्छा नहीं होता।

**Tuesday** – It is a good day to pay off loan, involve in political matters, legal issues and discussions, acts of bravery, to spy. It is not good to take loan on this day.

**बुधवार-** प्रशिक्षण कार्य, व्यापार, अध्ययन, कला, शिल्प, क्रीड़ा, सेवा वृत्ति, व्यायाम शुरू करना, सन्धिकार्य, विवाद, आदि कार्य शुभ हैं, किन्तु बुधवार को ऋण देना अच्छा नहीं होता।

**Wednesday-** Good for starting training, trade, learning, arts, sports and retirement. Also good for work related to marriage and compromise. Not a good day for lending money.

**बृहस्पतिवार** — धर्मानिष्ठानादि कार्य, ज्ञान विज्ञान चर्चा, यज्ञ विवाह, मांगल्य, सोना सम्बन्धी गृह कार्य, वस्त्र, यात्रा, रथ आदि की सवारी वाहन आदि क्रय-विक्रय नया पद ग्रहण, नवीन वस्त्र आभूषण धारण करना, ध्यान योग शुरू करना बृहस्पतिवार को श्रेष्ठ है।

**Thursday-** Good day for religious activities, scientific and intellectual discourses, travel, buying and selling a vehicle, accepting or joining a new post, wearing new clothes or jewellery and tating Dhyanyog or auspicious activity.

**शुक्रवार** — भूमि व्यापार, स्त्री सम्बन्धी संसर्ग, शय्या, मणि सुगन्धित द्रव्यों का क्रय विक्रय, फिल्म संगीत का कार्य शुरू करना, कृषि कार्य, प्रेम व्यवहार, ऐश्वर्य कार्य, उत्सव करना शुक्रवार को शुभ होते हैं।

**Friday** – Good for land deals, buying bedding or jewellery of gems, starting film music or love affair or festivities

**शनिवार** — गृह प्रवेश व निर्माण कार्य, नौकर रखना, लोहे आदि मशीनरी कार्य शुरू करना, लोहा, पत्थर, शीशा, अस्त्र-शस्त्र धारण करना, पाप कर्म, चोरी, गवाही, विषादि कृत्य प्रशस्त होते हैं।

**Saturday-** Good for building or entering a new house, hiring an employee, starting work with iron, stone or glass, using arms and ammunition, giving witness and for doing any inauspicious work.

सोमवार, गुरुवार, शुक्रवार और बुधवार प्रायः सभी कार्यों में शुभ होते हैं। रविवार, मंगलवार तथा शनिवार ये वार उपरोक्त कार्यों में ही शुभ माने जाते हैं।



## ✿ Ways to observe fasts, festivals and other important days ✿

**Poornima (full-Moon)**- Keep a fast and worship Lord Vishnu by a recital of Narayan, and if possible, recite Vishnu-Sahasra-nam and Purush-sukta.

**Satya-Narayan Fast-** In the early evening, worship Lord Narayan through sixteen offerings. Recite and listen to the legends of Lord Narayan. After worship and prayers, distribute with devotion and faith sacred food (Prasad) among the gathered friends and relatives followed by a Preeti-Bhoj.

**Makar-Sankranti (first day of month Magh)**- Special merit is obtained by a bath either at Haridwar or Triveni. Recite mantra “Om Namoh Bhagavate Vasudevaya”. Give away balls made of sesame seeds.

**Sankat Shree Ganesh Chaturthi-** Keep a fast and worship Lord Ganesh. End the fast by offering (aargha) to the Moon at night. Offer sweet balls (Ladoos) to Lord Ganesh ji. Recite the following mantra by one rosary (Mala 108 beads) “Om Ganganptaye Namah”.

**Vasant-panchami-** Worship Lord Vishnu and Goddess Saraswati in the morning with the recitation of appropriate mantras and offerings.

**Shree Maha-Shivratri-** Keep a fast from morning, recite Lord Shiv’s name all day and keep awake all night. Offer four different worships to Lord Shiv with fruits, flowers, leaves and fruit of Bil plant.

Take a bath on the following morning, offer food to Brahmans and finally end the fast. Through this fast and worship one attains Lord Shiva's realm.

**Holi-** Celebrate with joy the colorful and pure festival of Holi. In the evening holika is offered to fire while praying for release from all sins and other diseases.

**Chaitra Shukla prati-pada (Navratri)-** This is the start of the new year and the first day of the spring Navratras ( nine nights). This day is regarded as very auspicious. Worship Lord Brahma and other gods. Lord Ganesh, Mother Goddess Durga and Brahmans. After installing a ceremonial water vessel (Kalash Sthapana), engage in worships and recitals up to the day of Ram-Navami. Surely the rest of the year will bring you comfort and happiness.

**Shree Durga Ashtami-** Offer special worship to Mother Goddess and young maidens. Perform a Havan as an offering to Mother Durga.

**Shree Ram-navami-** Offer worship to Lord Ram at noon. One obtains supreme state by keeping a fast, reciting Lord Ram's name, and by a recital of Ram-charit-manas.

**Akshaya Tritiya-** This day is regarded as auspicious which bestows success by itself for all actions performed that day.

**Nirjala Ekadashi-** Keep a fast without even sipping water. Worship Lord Vishnu and recite Vishnu sahasra naam.

**Ganga Dashami-** If possible, take bath in the Ganges. Otherwise bow to holy river Ganges.

**Vyas (Guru)Poornima-** Worship Sage Vyas-dev-jee. Pray to your Gurus and Scriptures by offering flowers, fruits and donations. Remember and bow to Bhagawan Vyas regarded as Lord Vishnu.

**Raksha-bandhan-** Sister should tie Rakhi on her brother's hand and offer him sweets strengthening pure relationship of a brother and sister.

**Shree Krishna Janmashtami-** Keep a fast as a mark of respect for Lord Krishna. Worship him according to the scriptures with the offering of butter and crystallized sugar (mishri). Celebrate the occasion with great joy, mirth and enthusiasm at midnight. Recite as many times as possible the Krishan mantras throughout the day.

“Shree Krishna Govind Hare Murare. Hey Nath Narayan Vasudev”.

“Hare Krishna Hare Krishna Krishana Krishana Harey Harey.”

**Vinayak Chaturthi Vrat-** Keep a fast for Lord Shree Ganesh and worship him with offerings of fruits, flowers and sweet balls (ladoos). Recite the Ganpati mantra.

**Pitra Paksh (Shraddhapaksh)-** Everyday during this period remember your (past) ancestors and offer them prayers. On the day of new moon (Amavasya) offer prayers to all fore fathers and ancestors.

**SharadNavratri-** Starting with the first of the bright fortnight in the month of Ashvin, install the ceremonial water (Kalash Sthapana) and worship Mother Goddess up to the eighth or ninth day of this fortnight. One attains intelligence, peace and comfort by worship of young maidens and by recitals of any of the following mantras with full faith and devotion to Mother Goddess “ Om Aim Hrim Klim Chamundai Vicchi” or jay Ma Jay Ma or Durga saptasati path.



**Vijay Dashami-** All (good) actions carried out this day are generally successful. On this auspicious day Lord Ram is worshipped, prayed and meditated upon to obtain his blessings and favour. The day Ram routed Ravan.

**Karava Chauth** – For the attainment of long and continuous married life filled with peace and happiness in the family, married women should keep a fast without even sipping water. They should worship Lord Ganesh, Lord Shiv and Mother Gauri with the recitals of the Shiv-Ganesh-Gauri Mantras. In the evening, they should recite the legend connected with this occasion. At the moon-rise they should end their fast after offerings to the moon, then bow to their husbands and take evening meal.

**Kartik Krishan (Narak) Chaturdashi (Shree Hanuman Janam)-** Celebrate this great occasion with great enthusiasm and worship shree Hanuman jee with devotion and with chanting of the Hanuman mantra. With the grace of Shree hanuman, one attains happiness in life by reciting Shree Hanuman Chalisha or any other prayer in praise of Lord Hanuman.

**Hanuman Mantra:**

“Om Ram Dutay Vidmahey, Vayu putray Dheemahi, Tanno Hanumn pracho dyat.”

**Kartik Amavasya (Deepawali)-** In the evening , worship Ganesh, Mother Mahakali-Maha Lakshmi-MahaSaraswati, Lord Kuber-Vahi-Vasna and Shree Ramchandrajee. Thereafter distribute sweets and try to light the lamp of knowledge, faith and devotion both within yourself and outside.

**Pradosh Vrat-**

The Pradosh of Shani, Som and Bhaum are considered more auspicious. Those desirous of salvation, worldly pleasures and good progeny should keep a fast and worship Lord Shiv including ceremonial bathing of Lord Shiv (Shiv Abhshek ).

**Sankranti-** On the every first day of the Hindu (son) month give donations at an auspicious time as prescribed in panchang. Offer prayers to God and listen to the name of the new month pronounced by an able Brahman. Distribute consecrated food.

**Ekadashi Vart-** Every Ekadashi has a separate name. Try to gain victory over eleven senses (five of action, five of perception and mind) by keeping fast with no intake of grain while engaged in worship to Lord Narayan.

**Maha Shiv Ratri Vrat-** This is the fast of Shiv-ratri to be observed on the fourteenth day of the dark fortnight every month. It is considered as extremely favorable if one worships Lord Shiv and recites “Om Namah Shivay.”

## 🔱 Lagan and Rashi Phal 🔱

### 卐 ॥ द्वादश लग्नों एवं राशियों का फल ॥ 卐

**मेष लग्न-** मेष लग्न (राशि ) का स्वामी मंगल है । जातक का मध्यम कद, मुख का वर्ण लाल अथवा गेहूँआ होगा . राशिपति मंगल की स्थिति शुभ होने से रक्तवर्ण नेत्रों वाला, चंचल एवं उग्र स्वभाव, अत्यन्त साहसी, सतर्क एवं महत्वाकांक्षी होगा । जातक उद्यमी, तीव्र बुद्धि, स्वतन्त्र विचारों वाला, अस्थिर किन्तु तेज स्मरण शक्ति वाला, अत्यधिक उत्साही, स्पष्टवादी एवं भ्रमणप्रिय व्यक्ति होगा । प्रायः अपने परिश्रम के बल पर आय एवं धन के साधन जुटा लेगा । सगे सम्बन्धियों की ओर से सहायता व सुख कम होगा । यह राशि चर और अग्नि तत्व प्रधान होने के कारण मेष राशि (लग्न) का जातक परिवर्तनशील प्रकृति, अस्थिर स्वभाव तथा शीघ्र क्रोधित हो जाने वाला एवं शीघ्र मान जाये । व्यवसाय में अनेक कठिनाईयों के उन्नति के लिए प्रयास करता रहता है । जायदाद एवं व्यवसाय में कई प्रकार के झंझट (उलझनें) आती हैं और इन्हीं कामों के द्वारा लाभ भी होता रहता है । पित्त, कफ, सिर दर्द, रक्त विकार, नेत्र विकार, त्वचा आदि रोगों का भय रहता है । मंगल शुभ होने पर

जातक को खेल-कूद व संगीतादि में भी विशेष शौक रहता है। सामान्यतः मूंगा मेष लग्न वालों के लिए शुभ रहता है, परन्तु योग्य ज्योतिषी से परामर्श के बाद धारण करना चाहिए। भाग्योदयकारक वर्ष १६, २२, २८, ३२, ३६वें होंगे।

**वृष लग्न** – वृष लग्न का स्वामी शुक्र है। यदि शुक्र शुभ हो तो जातक सुन्दर, सुगठित शरीर व मध्यमकद वाला होगा। गोल, बड़ी व चमकदार आँखें, सुन्दर वर्ण एवं आकर्षक व्यक्तित्व वाला होगा। जातक परिश्रमी, हँसमुख एवं सौम्य प्रकृति वाला, धीर, शान्त एवं दृढ़ स्वभाव का होता है। जातक उदारहृदय, प्रसन्नहृदय और प्रभावशाली व्यक्ति होगा। स्वावलम्बी, उच्चाभिलाषी तथा भौतिक सुखों के लिए कठोर परिश्रम से भी पीछे नहीं हटेगा। जातक मधुरभाषी, सौन्दर्य प्रेमी, संगीत कला-साहित्यादि कार्यों में विशेष रुचि रखने वाला होगा। घर-दफ्तर आदि स्थानों पर सजावट रखेगा तथा ऐश्वर्य साधनों में निरन्तर वृद्धि करते रहने का प्रयास करेगा। जातक प्रायः अपनी इच्छानुसार ही कार्य करने वाला, ऐश्वर्ययुक्त जीवनयापन का इच्छुक, विपरीत योनि वालों के साथ मैत्री करने का आकांक्षी, व्यवहार कुशल तथा कठिन परिस्थितियों में भी अपना कार्य निकालने में कुशल होगा। जातक प्रायः चन्द्र-बुध की स्थिति शुभ होने पर कामर्स, गणित, बैंकिंग, एक्टिंग, वस्त्र एद्योग, क्रय-विक्रय आदि में सफलता प्राप्त कर लेता है। शुभ रत्न हीरा है। भाग्योदयकारक वर्ष २८, ३६, ४२, एवं ४८वें होंगे।

**मिथुन लग्न**- मिथुन लग्न का स्वामी बुध है। मिथुन लग्न वाला जातक, गौरवर्ण, चंचल आँखों वाला, सामान्य एवं ऊँचे कदवाला होगा। जातक अस्थिर किन्तु मौलिक विचारों से युक्त, तीव्र बुद्धि, परिवर्तनशील प्रकृति, मित्रों को हर प्रकार से सहायक तथा नीति के अनुसार आचरण करने वाला तर्क-वितर्क करने में कुशल, दूर-दूर के स्थानों की यात्राएँ करने का सौभाग्य प्राप्त करेगा। जातक में बुद्धि तत्त्व एवं भाव तत्त्व दोनों प्रबल होने के कारण पठन-पाठन, कानूनी कार्य, व्यापार सम्बन्धी और लेखन सम्बन्धी कार्यों को बड़ी गम्भीरता से करेगा, मजबूत हृदय वाला परन्तु नर्म स्वभाव होने के कारण कमजोर समझा जाता है। द्विस्वभाव होने से एक ही समय पर एक से अधिक कार्य शुरू करने की प्रवृत्ति रहेगी, अपने कार्य-क्षेत्र (व्यवसाय) में प्रायः परिवर्तन करता रहता है तथा प्रायः अपने परिश्रम, बुद्धि एवं चातुर्य के बल पर जीवन में सफलता प्राप्त कर लेगा। नए-नए मित्र बनाने में कुशल, बातचीत करने की कला में निपुण होगा। क्रय-विक्रय, पुस्तक-लेखन, लेखाकर, बैंक, वकालत, अध्यापन, इंजीनियरिंग, कल-पुर्जे के कार्य-व्यवसाय में सफलता प्राप्त हो सकती है। शुभ रत्न पन्ना है, स्त्रियों के लिए पुखराज भी अच्छा होगा। भाग्योदयकारक वर्ष २२, ३२, ३५, ३६, ४२, ४२ वें होंगे।

**कर्क लग्न**- कर्क लग्न का स्वामी चन्द्रमा है। जल तत्त्व प्रधान एवं चर राशि होने से जातक सुन्दर एवं आकर्षक मुखाकृति, गोल चेहरा और मध्यम कद होगा। चन्द्र-मंगल शुभ हो तो जातक बुद्धिमान, संवेदनाशील, भावुकहृदय, न्यायप्रिय व दयालु स्वभाव वाला होगा। सामान्यतः, परिवर्तनशील स्वभाव, चंचल, जलीय वस्तुओं का प्रिय, उच्च कल्पनाशील, समयानुकूल काम निकालने में कुशल, मिलनसार प्रकृति होगी। यदि चन्द्रमा अशुभ हो तो चिड़चिड़ा स्वभाव, वातावरण से शीघ्र प्रभावित होने वाला होगा। प्राकृतिक सौन्दर्य, कला-संगीत व साहित्य में विशेष रुचि रखे तथा सौन्दर्यानुभूति भी विशेष रूप से रहे। ऐसा जातक परिस्थितानुसार ढल जाने वाला, प्यार सम्बन्धों में सच्चा, ईमानदार और सहृदय दयालु प्रकृति का होगा। ऐसा जातक दिल से जिस काम को करना चाहे कर ही लेता है। कल्पना शक्ति प्रबल होती है, अन्य पुरुष के भावों को शीघ्र समझ लेने की विशेष क्षमता होती है। कर्क राशि वालों को मकर, वृश्चिक, मीन राशि वालों के साथ मित्रता शुभ रहती है। शुभ नग सफेद मोती तथा सफेद पुखराज है। भाग्योदयकारक वर्ष २४, २५, २८, ३२, ३६, ४० होंगे।

**सिंह लग्न**- सिंह लग्न का स्वामी सूर्य है। इस लग्न में जन्म लेने वाला जातक सुन्दर-पुष्ट शरीर वाला, चौड़ा मस्तक, सुगठित, आकर्षक एवं प्रभावशाली व्यक्तित्व वाला होगा। जातक बुद्धिमान, उद्यमी, कर्मठ, निडर, स्वतन्त्र विचारों वाला, पराक्रमी, व्यवहार कुशल, नीति के अनुसार आचरण करने वाला, उच्चाकांक्षी, खानपान का शौकीन देश-विदेश में भ्रमण करने वाला, शीघ्र क्लृप्त हो जाने की प्रकृति होने पर भी अपने बुद्धि-चातुर्य से स्थिति को सम्भाल लेने वाला होगा। छोटी-छोटी एवं मामूली बातों को उपेक्षा की दृष्टि से देखने वाला होगा तथा बड़े-बड़े कामों को भी अपने उद्यम द्वारा पूरा करने से तत्पर हो जाएगा। भाई-बन्धु होने पर भी उनका सुख कम रहता है। उच्चाभिलाषी होने के कारण प्रत्येक कार्य व्यवसाय को बड़े पैमाने एवं उच्चतर पर करना पसन्द करेगा। उच्चस्तरीय, वैभवशाली एवं रईसी जीवन-यापन करने की प्रबल इच्छा रखेंगे जिसके कारण अपनी

सीमा से बढ़कर भी खर्च कर डालते हैं। इस लग्न वाले जातक का बाह्य रूप में आकर्षक रूप एवं अच्छा स्वास्थ्य रहता है। शुभ रत्न माणिक्य है। सिंह लग्न वालों को सूर्य उपासना करनी चाहिए। भाग्योन्नति वर्ष १६, २२, २४, २६, २८, ३२ होते हैं।

**कन्या लग्न-** कन्या लग्न वाले जातक का मध्यम कद, कोमल शरीर सुन्दर व आकर्षक आँखें, लम्बी नाक, वाणी तेज और बारीक होगी। जातक प्रियभाषी, हर कार्य में सहायक, लज्जाशील प्रकृति, नर्म स्वभाव और नीति के अनुकूल काम करने वाला होगा। कल्पनाशील, सूक्ष्मदर्शी, एवं संवेदनशील स्वभाव होगा। शान्तचित्त एवं एकान्तप्रिय प्रवृत्ति होगी। परन्तु कठिन एवं विपरीत परिस्थितियों में भी स्वयं को ढालने का सामर्थ्य होगा। एक ही समय पर अनेक यात्राएँ एवं विषयों में पारंगत होने की चेष्टा करेगा। संगीत, कला एवं साहित्य की ओर विशेष दिलचस्पी रखेगा। द्विस्वभाव एवं परिवर्तनशील प्रकृति होने के कारण एक विषय पर चिरकाल तक स्थिर नहीं हो पाता। बुध-शुक्र का शुभ योग होने से लेखा-गणित, संगीत, कला, अध्यापन, लेखन, क्रय-विक्रय आदि की ओर विशेष झुकाव रहेगा तथा सफलता भी होगी। धन की अपेक्षा बौद्धिक कार्यों में विशेष रुचि रहती है। बुद्धिमान, तीव्र स्मरणशक्ति एवं अध्ययनशील प्रकृति होगी। शुभ रत्न पन्ना है। भाग्योन्नतिकारक वर्ष २५, ३२, तथा ३५, ३६, ४२ वर्ष होते हैं।

**तुला लग्न-** तुला लग्न का स्वामी शुक्र है। तुला लग्न में उत्तपन्न जातक श्वेत व सुन्दर वर्ण, मध्यम अथवा लम्बा कद, सौम्य एवं हंसमुख प्रकृति होगी। जातक / जातिका न्यायप्रिय, हंसमुख, व्यवहारशील एवं नीति के अनुसार कार्य करने में कुशल होगा। ईमानदार, मिलनसार, नए-नए मित्र बनाने में कुशल होगा। सौंदर्यानुभूति विशेष होगी, संगीत, कला, नाट्य की ओर विशेष झुकाव होगा। रहन-सहन का ढंग रईसी एवं प्रभावपूर्ण होगा। जातक पर संगीत का प्रभाव जल्दी होगा। चन्द्र-शुक्र शुभ हों, तो मानसिक एवं कल्पनाशक्ति प्रबल होगी, परन्तु मन की केन्द्रिय शक्ति बहुत देर तक नहीं रहती। जब तक किसी कार्य में लगा रहे तब तक दिलोजान और मजबूत दिल से करे, परन्तु अपने विचार व योजना में परिवर्तन करने में भी शीघ्र तैयार हो जायेगा। जातक को देश-विदेशों में अनेक स्थानों पर भ्रमण करने के भी अवसर प्राप्त होते हैं। बुद्धिमान, तर्कशील, सावधान एवं सतर्क रहने वाला, मध्यस्थता एवं न्याय करने में कुशल, विपरीत योनी के प्रति विशेष झुकाव रखे। इनको हीरा अथवा श्वेत मोती शुभ रत्न है। जोकि किसीसुयोग्य ज्योतिषी के परामर्शानुसार धारण करने चाहिए। जीवन के २५, २७, ३२, ३३, ३५ एवं ४७ वें वर्ष भाग्य वृद्धिकारक होंगे।

**वृश्चिक लग्न -**वृश्चिक लग्न (राशि) का स्वामी मंगल है। इस लग्न में उत्पन्न जातक सुन्दर मुख वाला, परिश्रमी, अपनों सामर्थ्य पर ही भरोशा करने वाला, धार्मिक प्रवृत्ति होगी। मंगल शुभ हो तो उत्साही, उदार, परिश्रमी, साहसी, ईमानदार, स्पष्टवादी, परोपकारी, व्यवहारकुशल, कर्त्तव्यनिष्ठ, दृढ संकल्प शक्ति वाला होगा। भाई बहनों अथवा सम्बन्धियों की सहायता कम मिलती है, निजी पुरुषार्थ द्वारा ही निर्वाह योग्य आय के संसाधन जुटा पाते हैं। तनिक विरुद्ध बात हो जानें पर शीघ्र उत्तेजित हो जाएंगे, परन्तु सच्चाई अथवा सुपात्र की दृष्टि से सुयोग्य जन की सहायता करने में अपनों स्वार्थ की भी बलि देने से पीछे नहीं हटेंगे। जातक जिस कार्य को करने का निश्चय कर लेता है, उसे दृढतापूर्वक पालन करने का प्रयास करता है। कैमिष्ट, इंजिनियर, वकील, पुलिस, सेनाविभाग, अध्यापन, ज्योतिष, अनुसंधानकर्ता, के क्षेत्र में विशेष सफलता प्राप्त करेंगे। शुभ रत्न मूंगा है। शुभ रंग लाल, संतरी, पीला हल्का गुलाबी है। अपनी आयु के २४, २८, ३२, ३६, ४४ वें वर्ष विशेष भाग्योन्नतिकारक होंगे।

**धनु लग्न -** धनु लग्न का स्वामी गुरु है। इस लग्न में उत्पन्न जातक का ऊँचा मस्तक, कान बड़े, लग्न भाव में क्रूर ग्रह होने की स्थिति में सिर में अल्पबाल अथवा गंजा हो सकता है। गुरु-बुध की स्थिति शुभ हो तो सौम्य एवं शान्त, सरल स्वभाव, धार्मिक प्रवृत्ति, उदार हृदय, परोपकारी, संवेदनशील, करुणा-दया आदि भावनाओं से युक्त होगा। दूसरों के मनोभावों को जान लेने की विशेष क्षमता होगी, इस लग्न से प्रभावित व्यक्ति में बौद्धिक एवं मानसिक शक्ति की प्रबलता के साथ-साथ अश्व जैसी तीव्रता, उत्साह एवं उत्तेजना से कार्य करने की क्षमता होगी। द्विस्वभाव राशि के कारण शीघ्र कोई निर्णय नहीं ले पाएँ और इनको क्रोध जल्दी नहीं आता, परन्तु जब आता है तो देर तक क्रोधित रहते हैं। अग्नि तत्व प्रधान होने के कारण कठिन से कठिन समस्याओं को अपनों सब्र, साहस एवं परिश्रम के द्वारा सुलझा लेंगे तथा निजी पुरुषार्थ द्वारा जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति करने वाला, धन, सम्पदा, भूमि-जायदाद व सवारी आदि सुखों को प्राप्त करने में सफल होगा। मंगल-गुरु शुभ हो तो उच्च

व्यावसायिक विद्या के योग हैं। शिक्षक, धर्म-प्रचारक, राजनीति, वैद्य-डाक्टर, वकील, पुस्तक व्यवसाय आदि के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। शुभ रत्न पुखराज है। अपनी आयु के २३, २७, ३२, ३६वें वर्ष विशेष भाग्योन्नति कारक होंगे।

**मकर लग्न-** मकर लग्न(राशि) का स्वामी शनि है। इस लग्न (राशि)में जन्म लेने वाले जातक का मध्यम कद, नयन नक्श तीखे, सुन्दर मुखाकृति, काले घने बाल एवं पतली कमर वाला होगा। जातक गम्भीर, भावुक हृदय, संवेदनशील, उच्चाभिलाषी, सेवाधर्मी, मननशील, एवं धार्मिक प्रवृत्ति वाला होगा। बुध व शुक्र शुभ होने पर व्यवहार-कुशल, गहन विचार एवं सूक्ष्म विश्लेषण के पश्चात ही महत्व पूर्ण निर्णय लेते हैं। क्षमाशील प्रायः कम होते हैं तथा इन्हें बदले एवं शत्रुता की भावना भुला पाना अत्यन्त कठिन होता है। चर राशि एवं लग्न होने से जातक की मानसिक एवं आत्मिक शक्ति प्रबल होगी। गुरु-शनि शुभ हो तो, जातक नर्म स्वभाव, विनयशील, व्यवहार-कुशल, नीति के अनुकूल आचरण करने वाला, तर्क शील, भली-बुरी बात की पहचान करने में कुशल, विश्वसनीय, मित्रता स्थापित करने में तथा इमानदार होंगे। तर्क - वितर्क करने में कुशल, अपने विरुद्ध बात को हृदय से भुला पाना कठिन होता है। खांसी तथा वायु रोग से सावधानी बरतें। शुभ रत्न नीलम है। भाग्योन्नति वर्ष २२, २४, २८, एवं ३२, ४६ होते हैं।

**कुम्भ लग्न -** लग्नेश ( राशिपति ) शनि शुभ अवस्था में हो तो जातक मध्यम अथवा ऊँचे कद वाला, सुन्दर प्रभावशाली व्यक्तित्व होगा। बुद्धिमान, साधन सम्पन्न, तीव्र स्मरण शक्ति एवं गम्भीर प्रकृति वाला होगा। दूसरों के प्रति दयाभाव रखने वाला परोपकारी मित्रों एवं सगे सम्बन्धियों के लिए हर प्रकार से सहायक होगा। व्यवहार कुशल, मिलनसार, स्पष्टवादी एवं निस्वार्थ भाव से सेवा करने में तत्पर होगा। जातक स्वाभिमानी, स्वतन्त्रताप्रिय एवं नए-नए मित्र बनाने में भी पीछे नहीं हटेगा। उद्योगी, उद्यमी, परिश्रमी प्रकृति एवं प्रबन्धत्मक योग्यता विशेष होगी एवं उपयुक्त साधन उपलब्ध होने पर देश-विदेशों में जाने के सुअवसर प्राप्त होंगे। महत्त्वाकांक्षी होते हुए भी क्रियात्मक दृष्टिकोण रखेंगे तथा अनेक विघ्न-बाधाओं व कठिनाइयों के होने पर भी जीवन में उच्च स्थिति, धन पदादि प्राप्त करने में सफल होंगे। कुम्भ लग्न में यदि गुरु मित्र क्षेत्री या शुभ में हो तो जातक उच्चाधिकारी, उत्तपदासीन, क्रय-विक्रय, प्रोफेसर, जज-वकील अथवा उच्च एवं धनी-व्यापारी होगा, प्रारम्भिक जीवन में आर्थिक क्षेत्र में विशेष संघर्ष व कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। शुभ रत्न नीलम है। स्त्रियों के लिए पुखराज नग शुभ होगा।

**मीन लग्न -** मीन लग्न (राशि) का स्वामी गुरु है। मीन लग्न में उत्पन्न जातक बुद्धिमान, गम्भीर एवं सौम्य प्रकृति, परोपकारी कार्य करने में तत्पर, ईमानदार, सत्यप्रिय, धार्मिक, धर्म-कर्म एवं फिलास्फी, साहित्य एवं गूढ़ विद्याओं की ओर विशेष अभिरुचि रखेगा। उच्चाभिलाषी,

उच्चकांक्षी एवं स्वाभिमानी प्रकृति, अपनी मान-मर्यादा एवं प्रतिष्ठा का विशेष ध्यान रखें। सेवाभाव रखने वाला, तीव्र बुद्धि, परिश्रमी, उद्यमी, दूरदर्शी, व्यवहार कुशल एवं नीति के अनुसार आचरण करने वाला, विश्वसनीय, ईमानदार तथा हर प्रकार से मित्रों एवं सगे -सम्बन्धियों के लिए सहायक होगा। पर न तो अन्याय करेंगे न ही किसी भांति अन्याय को सहन करेंगे। जातक कलाकार, चल-चित्र, व्यवसाय, खाने-पीने की वस्तुओं से सम्बन्धित, समाज सुधारक, अध्यापन सम्बन्धी कार्यों में सफल होते हैं। शुभ रत्न पुखराज है। शुभ वैवाहिक जीवन के लिए पन्ना रत्न धारण करें। भाग्योन्नति कारक वर्ष २४, २८, ३३, ३८, ४५ वर्ष होते हैं।

॥ अथ सप्तश्लोकी दुर्गा स्तोत्रम् ॥

### SAPTA SHLOKI DURGA STOTRAM

This Sapta Shloki Durga Stotram is in Sanskrit and was recited to Bhagwan Shiva by Durga Mata herself. The Durga Saptashloki Stotram, is an alternate prayer for Durga Saptashati or Chandi Path stotram which is revered as the most important text during Navratri Durga Puja.

One day Lord Shiva asked Durga to tell him what his devotees should do to achieve success in their endeavor easily and without any troubles? Durga Mata gave him the secret of the Durga Sapta Shloki saying that by reciting these 7 slokas with faith, devotion and concentration they will

receive all her blessings and will be successful in their every endeavor. Besides they will receive wealth, health, good memory, knowledge, success, good family life and victory. All their troubles, fear, sorrow and poverty will be removed from their life.

Gnaninamapi chetamsi devi bhagawatee hi sa  
Baladaa krushya mohaya mahamayaa prayachchathi ||1||

Durgesmrita harasi bheethima shesha jantho  
Swasthai smrita mati mateeva shubhaam dadasi  
Daridrya dukha bhaya harini ka thwadanya  
Sarvopakara karanaya sadarthra chittha ||2||

Sarva mangala mangalye shive sarvartha sadhike  
Saranye thriyambake gauri narayani namosthutte ||3||

Saranagata deenarta paritrana parayane  
Sarvasyarti hare devi narayani namostute ||4||

Sarvaswarupe sarveshe sarva shakti samanvite  
Bhaye bhyastrahi no devi durgedevi namostute ||5||

Rogaana sesha napahamsi tushta  
rushta thu kaamaan sakalana bheestan  
Thwama shrithanam navipanna raanaam  
twama shritahya shrayatam prayanti ||6||

Sarvabhadaa prashamanam thrailokyasya akhileshwari  
Evameva thwaya karyam asmad vairi vinashanam ||7||

\*\*\*\*\*



॥ शिव पञ्चाक्षर स्तोत्र ॥



॥ Shiv Panchakshar Stotr ॥



नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय भस्माङ्गरागाय महेश्वराय ।

नित्याय शुद्धाय दिगम्बराय तस्मै 'न' काराय नमः शिवाय ॥

**Nagendraraharay Trilochnay Bhasmangragay Maheshvray ।**

**Nityay Shudhay Digambray Tasmai 'Na' Karay Namah Shivay ॥**

Salutations to the ashes-clad, three-eyed Lord, embodied as the first latter Na, who is pure, nude eternal and whose is the lord of serpents.

मन्दाकिनी सलिल चन्दन चर्चिताय नन्दीश्वर प्रमथ नाथ महेश्वराय ।

मन्दार पुष्प बहु पुष्प सु पूजिताय तस्मै 'म' काराय नमः शिवाय ॥

**Mandakini Salila Chandan Charchitay Nandishvr Pramath Nath Mahesvaray ।**

**Mandar Pushp Bahu pushp Su Pujitay Tasmai 'Ma' karay Namah Shivay ॥**

I bow to Him, embodied as makara, who is adorned with innumerable divine flowers as mandar and the like, who is the Sovereign king of the Pramatha Ganas and whose body is anointed with the holy waters of the celestial Ganga.

शिवाय गौरी वदनाब्जविन्द – सूर्याय दक्षाध्वर नाशकाय ।

श्री नीलकण्ठाय वृषध्वजाय तस्मै 'शि'काराय नमः शिवाय ॥

**Shivay Gauri Badnabjavind Suryay Dkashadhvar nashkay ।**

**Shri Neelkanthay Vrikhdhvjay Tasmai 'Shi' karay Namah Shivay ॥**

To the blue necked Lord, embodied as letter Si, the destroyer of Daksha's sacrifice and the resplendent Sun of Gauri's lotus-face, whose banner bears the emblem of bull, may our salutations be.

वसिष्ठ कुम्भोद्भव गौतमार्य- मुनीन्द्र देवार्चित शेखराय ।

चन्द्रार्क वैश्वानर लोचनाय तस्मै 'व' काराय नमः शिवाय ॥

**Vasisth Kumbhodbhav Gautamay Munindra Devarchit Shekhray ।**

**Chandrark Vaisvanar Lochnay tasmai 'Va' karay Namah Shivay ॥**

I prostrate before the god of gods, embodied as Vakara, whose eyes are sun, moon and the fire and whom the gods and the great sages like Vasishtha, Agastya and Gautama, ever pray and worship.

यक्ष स्वरूपाय जटाधराय पिनाक हस्ताय सनातनाय ।

दिव्याय देवाय दिगम्बराय तस्मै 'य'काराय नमः शिवाय ॥

**Yaksha Svarupay jatadharay Pinak Hastay Sanatnay ।**

**Divyay Devay Digambaray Tasmai 'Ya' karay Namah Shivay ॥**

Prostrations to the ancient naked God, embodied as the letter Ya, the Yaksha incarnate whose hairs are long and who holds Pinaka in His hand.

पञ्चाक्षरं इदं पुण्यं यः पठेत् शिव सन्निधौ । शिवलोकम् वाप्नोति शिवेन सहः मोदते ॥

**Panchakshar Idam punayam Yah Pathet Shiv Sannidau ।**

**Shivalokam vapnoti Shiven Saha Modate ॥**

Whoever repeats this prayer, composed with the five holy letters before Lord Shiv, attains that supreme abode of His and enjoys there with Him in eternal bliss.

॥ श्री मत् शंकराचार्य विरचितं शिवपञ्चाक्षर स्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥



**महामृत्युञ्जय मन्त्र- ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिम् पुष्टिवर्द्धनम् । उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्**

**Mahamrutunjay Mantra- Om Tryambakam Yajamahe Sugandhim Pushti varddhnam, Urvaruka miva Bandhanan Mrutyor muksiya Mamrutat**

**गायत्री मन्त्र – ॐ भू भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं । भर्गो देवस्य धीमहि, धियो यो नः प्रचोदयात् ॥**

**Gayatri Mantra- Om bhur bhuvah svah, tat savitur varenyam, Bhargo devasya dhimahi dhiyo yo nah praco dayat.**

**Meaning:** We meditate on that God's Glory who has created the universe, who is fit to be worshipped, who is the embodiment of knowledge and light, who is the remover of all sins and ignorance. May He enlighten our intellects.

ॐ सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके । शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोऽस्तुते ॥

Om Sarv Mangal Mangalye, Shive Sarvarth Sadhike |  
Sharanye Tryambake Gauri Narayani Namoastu Te ॥

या देवि सर्व भूतेषु लक्ष्मीरूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमोनमः ॥

Ya Devi Sarva Bhuteshu Lakshmi Rupen Samashita,

Namahatasyai, Namahatasyai, Namahatasyai, Namonamaha ॥

॥ अच्युतं केशवं रामनारायणं, कृष्णदामोदरं वासुदेवं हरिम् । श्री धरं माधवं गोपिका वल्लभं, जानकीनायकं रामचन्द्रं भजे ॥ ॥ ॥

Achutam Keshvam Ramnaraynam, Krishnadamodaram Vasudevam Harim |  
Shridharam Madhavam Gopikavallabham, Jankinayakam Ramchandram Bhaje ॥

॥ SHRI AMBA JI KI AARATI ॥

Om Jay Ambe Gauri Maiya Jay Shyama Guri ।

Tumko Nishidin Dhyavt Hari Brhma Shivri ॥ १ ॥ Jay Ambe— ॥

Mang Sindoor Virajt Teeko Mrigmadko ।

Ujjwal Se Dou Nayana Chandra Badan Neeko ॥ २ ॥ Jay Ambe— ॥

Kanak Saman Klevar Raktambar Rajai ।

Rakt Pushpa Gal Mala Kanthan Par Saajai ॥ ३ ॥ Jay Ambe ॥

Kehari Vahan Rajat Khadag Khappar Dhari ।

Sur Nar Muni Jan Sevat Tinke Dukhhari ॥ ४ ॥ Jay Ambe ॥

Kanan Kundal Shobhit Nasagre Mooti ।

Kotik Chandr Divakar Sam Rajat Jyoti ॥ ५ ॥ Jay Ambe ॥

Shumbh Nishumbh Vidare Mahishasur Ghati ।

Dhumra vilochan Naina Nishidin Madmati ॥ ६ ॥ Jay Ambe ॥

Chand Mund Sanhari Shonitbeej Hare ।

Madhu Kaitabh Dou Mare Surbhyaheen Kare ॥ ७ ॥ Jay Ambe ॥

Brahmani Rudrani Tum Kamala Rani ।

Aagam Nigam Bakhani Tum Shiva Patrani ॥ ८ ॥ Jay Ambe ॥

Chusath Yogin Gavat Nritya Karat Bhairun ।

Bajat Tal Mridanga au Bajat Damaru ॥ ९ ॥ Jay Ambe ॥

Tum Hi Jaga Kee Mata Tum Hie Ho Bharta ।

Bhaktan Ke Dukha Harta Sukha Sampati Karta ॥ १० ॥ Jay Ambe ॥

Bhuja Aath Ati Shobhit Var Mudra Dhari ।

Manvanchhit Phal Pavat Sevat Nar Nari ॥ ११ ॥ Jay Ambe ॥

Kanchan Thal Virajat Agar Kapur Bati ।

(Shri) Mal Ketu Me Rajat Kooti Ratan Jyoti ॥ १२ ॥ Jay Ambe ॥

(Shri) Ambe Ji Ki Aarati Jo Koi Nar Gavai ।

Kahat Shiva Nand Swami Sukh Sampatti Pavai ॥ १३ ॥ Jay Ambe ॥

॥

मातृ देवो भव । पितृ देवो भव । आचार्य देवो भव । ( तैत्तिरीय १।२२।२)



एक दृष्टि में सन् २०२४-२५ ई० में संक्रान्ति, एकादशी, प्रदोष, सत्यनारायण, ग.चतुर्थी, अमावस्या, पर्व							
An overview of Fast & Festivals 2024-2025							
Month 2024-25	मास २०२४-२५	संक्रान्ति Sankranti	एकादशी व्रत Ekadashi Vrat	प्रदोष व्रत Prad osh	सत्यनारायण व्रत Satyanaray an Vrat	गणेश चतुर्थी Ganesh Chaturthi	अमावस्या Amavasya
January 2024	जनवरी	१४ (माघ) 14 Maagh	7,21	8,22	24	28	10
February	फरवरी	१३ फाल्गुन 13 Falgun	5,6,19	7,21	23	27	9
March	मार्च	१४ चैत्र 14 Chaitra	6,20	7,21	24	28	9
April	अप्रैल	१३ वैशाख 13 Vaishakh	4,5,19	6,20	23	26	8
May	मई	१४ ज्येष्ठ 14 Jyeshth	4,18	5,20	22	26	7
June	जून	१४ आषाढ 14 Aashadh	2,17	3,18	21	24	6
July	जुलाई	१५ श्रावण 15 Shravan	1,17,30	2,18	20	23	5
August	अगस्त	१६ भाद्र 16 Bhadra	15,29	1,16, 30	19	22	3
September	सितम्बर	१६ आश्विन 16 Ashvin	14,27	15,29	17	20	2
October	अक्तूबर	१६ कार्तिक 16 Kartik	13,27	14,29	16	20	1,2,31
November	नवम्बर	१५ मार्गशीर्ष 15 Marg sheersh	11,26	13,28	15	18	30
December	दिसम्बर	१५ पौष 15 Paush	11,26	12,27	14	18	30
January 2025	जनवरी २०२५	१४ (माघ) 14 Maagh	9,25	11,26	13	16	28
February	फरवरी	१२ फाल्गुन 12 Falgun	8,23	9,25	11	15	27
March	मार्च	१४ चैत्र 14 Chaitra	9,25	11,26	13	17	28

Acharya Pt. Ravindra Narayan Pandey Ph. (613) 228-1305 Cell. 613-216-7575

ॐ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः । सर्वे भद्राणि पश्यन्तु माऽऽ कश्चिद् दुःखं भाग्भवेत् ॥

Om Sarve bhavantu sukhinah, Sarve santu niramayah. Sarve bhadrani pashyantu Ma kaschid dukh-bhagbhavet.